चैत्र शुक्ल पक्ष त्रयोदशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 283 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
10 अप्रैल 2025 गुरुवार

आज का मौसम
39 अधिकतम
20 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

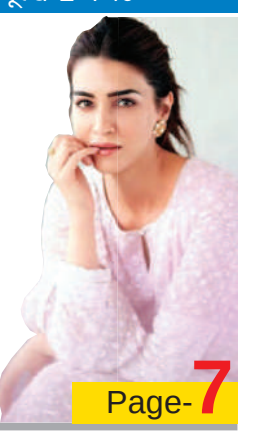

Page-7

सीएम यादव संग गडकरी ने कई महत्वाकांक्षी सड़कों का लोकार्पण किया

सरकार का आनंदपुर... कल मप्र में मोदी आज गडकरी ने दी सड़क मिशन को धार

भोपाल/धार दोपहर मेट्रो।

मप्र सरकार आज से अगले कुछ दिनों नये काम की शुरुआतों और सौगातों को सहेजने में व्यस्त रहेगी। आज केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने धार में करीब चार हजार करोड की विभिन्न सड़क परियोजनाओं, फ्लाईओवर योजनाओं की शुरूआत की। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल 11 अप्रैल को अशोकनगर के आनंदपुर धाम आ रहे हैं वे यहां श्रद्धालुओं को संबोधित भी करेंगे। धाम में हर साल वैशाखी पर मेला लगता है, इसमें ये श्रद्धालु आते है। यहां पीएम मोदी दो घंटे से अधिक समय तक रहेंगे। वहीं 13 अप्रैल को सहकारिता व गृह मंत्री अमित शाह भोपाल में रहेंगे तथा मप्र के दुग्ध संयंत्रों को नेशनल डेयरी विकास बोर्ड के हवाले किया जाएगा। इस दौरान गौपालक सम्मेलन भी होगा, इसे श्वेत क्रांति की शुरूआत कहा जा रहा है।

सीएम मोहन यादव एवं केन्द्रीय भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने आज प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के लिये धार जिले के खेड़ा बदनावर से समारोहपूर्वक सड़कों और फ्लाई ओवर की सौगातें दीं। गडकरी ने उज्जैन-बदनावर खंड पर नवनिर्मित 4 लेन सड़क का लोकार्पण किया। इसके साथ ही उज्जैन-गरोठ के खेड़ा खजुरिया से सुहागड़ी तक ग्रीनफील्ड हाई-वे, उज्जैन-गरोठ के सुहागड़ी से बर्डिया अमरा तक लेन ग्रीनफील्ड हाई-वे, जीरापुर-सुसनेर-मध्यप्रदेश एवं राजस्थान बॉर्डर खंड पर पेव्ड शोल्डर के साथ टू लेन सड़क और बाकानेर घाट पर पेव्ड शोल्डर के साथ अतिरिक्त थ्री लेन सड़क का भी लोकार्पण किया। इसी कार्यक्रम में संदलपुर-नसरुल्लागंज खंड पर 4-लेन सड़क, चंदेरी-पिछोर खंड पर पेव्ड शोल्डर के साथ 2 लेन सड़क, इंदौर-गुजरात खंड पर 7 फ्लाई ओवर एवं अंडरपास, शाजापुर, कनासिया एवं एमआईडीसी इंडस्ट्रीयल एरिया में 3 फ्लाई ओवर, अंडरपास तथा रसलपुर जंक्शन पर फ्लाई ओवर के कार्यों का शिलान्यास किया गया।

फाइल फोटो

क्यों खास हैं ये प्रोजेक्ट्स

बहुप्रतीक्षित उज्जैन-बदनावर फोर-लेन हाई-वे की लंबाई 69 किलोमीटर है, यह पूरी तरह से तैयार है। यह परियोजना मई 2022 में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को सौंपी गई थी। यह हाई-वे आधुनिक इंजीनियरिंग और उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे का एक शानदार उदाहरण कहा जा रहा है।

पीएम मोदी करेंगें संतों से भेंट, प्रशासन मुस्तैद

प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार वे आनंदपुर धाम परिसर स्थित आनंद सरोवर में पुष्प अर्पित करेंगे। उन्हें धाम में होने वाली भक्ति और ज्ञान से जुड़ी गतिविधियों के साथ ही संचालित सेवा कार्यों की जानकारी दी जाएगी। वह आनंदपुर सत्संग आश्रम परिसर स्थित चारों मंदिरों को देखेंगे। वह विशाल सत्संग हॉल में मंचीय कार्यक्रम में वैशाखी के वार्षिक मेला आयोजन में नागरिकों और इस धाम से जुड़े देश-विदेश के अनुयाईयों को संबोधित करेंगे। सीएम मोहन यादव ने आनंदपुर की तैयारियों की वीडियो कान्फ्रेन्स के जरिए समीक्षा की है। प्रधानमंत्री आनंदपुर धाम में परमहंस अद्वैत मत के प्रमुख गुरू महाराज, महात्मा शब्द प्रेमानंद और अन्य संतगण से भेंट भी करेंगे। सीएम ने ग्वालियर संभाग के कमिश्नर, आईजी सहित वरिष्ठ अधिकारियों और कलेक्टर, एसपी अशोक नगर से चर्चा कर कार्यक्रम की व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की और जरुरी निर्देश दिए। सीएम स्वयं भी आनंदपुर धाम पहुंचकर तैयारियों का अवलोकन कर चुके हैं।

अमेरिकी कंपनी ने अडानी कंपनी का एक तिहाई हिस्सा खरीदा

नईदिल्ली, एजेंसी

दुनिया की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ब्लैकरॉक ने अब अडानी ग्रुप पर बड़ा दांव लगाने की चर्चा है। अडानी ग्रुप की कंपनी रिन्यू एग्जिम डीएमसीसी की बॉन्ड बिक्री में ब्लैकरॉक ने करीब एक तिहाई हिस्सा खरीदा है। यह पहला मौका है जब ब्लैकरॉक ने अडानी ग्रुप की किसी कंपनी में निवेश किया है। खबरों के मुताबिक रिन्यू डीएमसीसी ने 750 मिलियन डॉलर के बॉन्ड जारी किए थे जिसमें से ब्लैकरॉक ने 250 मिलियन के बॉन्ड खरीदे हैं। इस इश्यू में ब्लैकरॉक के अलावा कम से कम 5 और इंटरनेशनल इनवेस्टर्स ने भी खरीदारी की। यह बॉन्ड इश्यू 3 से 5 साल के लिए है और इससे मिलने वाली रकम का इस्तेमाल आईटीडी सीमेंटेशन के अधिग्रहण को फाइनेंस करने के लिए किया जाएगा। अमेरिका की कंपनी ब्लैकरॉक का इस बॉन्ड में भाग लेना इसलिये महत्वपूर्ण है क्योंकि नवंबर के अंत में गौतम अडानी, उनके भतीजे सागर अडानी और ग्रुप के कुछ अधिकारियों पर अमेरिकी न्याय विभाग ने कुछ आरोप लगाए थे।

आर्मी चीफ के रूस पहुंचते ही बांग्लादेश के 5 अफसर अरेस्ट

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश सेना के पांच अफसरों को पिछले साल जुलाई में छात्र विद्रोह के दौरान उनकी भूमिका के लिए हाउस अरेस्ट कर लिया गया है। जुलाई छात्र विद्रोह के बाद बीते साल अगस्त में शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद छोड़ना पड़ा था। इसके बाद वह ढाका से भागकर भारत आ गई थी। इधर खबरों के मुताबिक सैन्य अफसरों का हाउस अरेस्ट ऐसे समय में हुआ है, जब बांग्लादेश आर्मी चीफ जनरल वकार उज जमान रूस के दौरे पर पहुंचे हुए हैं। इस घटनाक्रम ने ढाका को लेकर दिलचस्पी बढ़ा दी है। रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश सेना के जिन पांच वरिष्ठ अधिकारियों को ढाका छावनी में नजरबंद किया गया है, उनमें दो ब्रिगेडियर, एक कर्नल, एक लेफ्टिनेंट कर्नल और एक मेजर शामिल है। सैन्य अधिकारियों को 5 अप्रैल को उनके आधिकारिक आवासों तक सीमित कर दिया गया था। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने सार्वजनिक रूप से पांच अधिकारियों की पहचान जाहिर नहीं की है।

बुलेटप्रूफ गाड़ी में राणा को कोर्ट से तिहाड़ पहुंचा रही पुलिस

नई दिल्ली। मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा को भारत लाकर आज तिहाड जेल में रखा जाएगा। बेहद कड़ी सुरक्षा के बीच एनआईए और रॉ की टीम के घेरे में स्पेशल प्लेन से वह आज दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरेगा और बुलेटप्रूफ गाड़ी में एनआईए हेडक्वार्टर ले जाया जाएगा। पहले उसे दिल्ली में एनआईए कोर्ट में पेश करने के बाद तिहाड़ जेल में रखा जाएगा। इस बीच केंद्र सरकार ने अधिवक्ता नरेंद्र मान को इस मामले में स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर नियुक्त किया।

पुलिस उपनिरीक्षक की हत्या, एएसआई का बाजू तोड़ा

चंडीगढ़। पंजाब की विधानसभा हलका खडूर साहिब के गांव कोट मोहम्मद खां में विवाद निपटाने गए पुलिस सब इंस्पेक्टर की गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। वहीं एएसआई की बाजू तोड़ दी गई। थाना गोइंदवाल साहिब में आम आदमी पार्टी के मौजूदा सरपंच सहित अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। हालांकि इस मामले में अभी तक कोई भी गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। गांव सरपंच कुलदीप सिंह के बेटे का गांव से संबंधित अर्शदीप सिंह के साथ करीब दस दिनों से विवाद चला आ रहा था। विपक्षी पार्टियों द्वारा आप के सरपंच कुलदीप सिंह व अन्य लोगों के खिलाफ थाना में लिखित शिकायत दी गई, परंतु कोई कार्रवाई नहीं हुई।

बहुमंजिला में आग के दौरान पांच सिलेंडर भी ब्लास्ट

ग्वालियर। आज तड़के खासगी बाजार क्षेत्र के कलां गोपाल मल्टी में भीषण आज से अफरातफरी मची हुई है। बेसमेंट में चल रहे डोरे बनाने के कारखाने से लगी। धागा बनाने की सामग्री भरी होने से आग तेजी से फैली है और मल्टी में दूसरे, तीसरे फ्लोर के पांच फ्लैट को चपेट में ले लिया। आग का पता चलते ही फ्लैट में रहने वाले लोग नीचे की ओर भागे। फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची तब एक के बाद एक पांच सिलेंडर ब्लास्ट हुए।

स्वास्थ्य महकमे ने शुरू किया काम

अब फर्जी डॉक्टरों को खोजने कमर कर रही मप्र सरकार

भोपाल, एजेंसी

मप्र सरकार दमोह में फर्जी डाक्टर मामला सामने आने से किरकिरी के बाद अब स्वास्थ्य महकमे में फर्जीवाड़े को खोजने के लिये कमर कस रही है। खासकर ऐसे लोग जो डॉक्टरी के नाम पर फर्जीवाड़ा कर रहे हैं, उनकी पहचान की जाएगी। इनके द्वारा फर्जीवाड़ा किए जाने की शिकायत किए जाने पर सख्त कार्रवाई होगी। प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में ऐसे गई फर्जी डॉक्टर है, जो इलाज के नाम पर लोगों के ऊपर प्रयोग करते हैं। खासकर ऐसे लोग गांवों में निवास करते हैं और वहां लोगों का इलाज करने के नाम पर प्रैक्टिस करते हैं। बताया जाता है कि विभाग को भी सूचना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरी के नाम पर कई लोग सक्रिय है। खासकर ऐसे गांव जो मुख्य शहरों से दूरी पर है और इनके नजदीक कोई स्वास्थ्य केंद्र भी नहीं हो। कुछ मामलो कार्रवाई व जांच आदि होती रही है अब इसे बारीकी से करने का निर्णय हुआ है। यह भी तय हुआ है कि डॉक्टरी के नाम पर फर्जीवाड़े की घटनाओं के लिए स्वास्थ्य विभाग अलग से सेल गठित करेगा। इसके अलावा शिकायतों की जांच करेगी। पुलिस के तरह मुखबिरों की सूचनाओं के आधार पर भी काम करेगी।

कांग्रेस ने लगाया हत्या का आरोप

कांग्रेस के सीनियर प्रवक्ता रवि सक्सेना का कहना है कि दमोह में सामने आए फर्जी डॉक्टर मामले ने पूरे राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोल दी है। एक फजी डॉक्टर, जो खुद को लंदन का प्रशिक्षित कार्डियोलॉजिस्ट बताकर मिशनरी अस्पताल में हार्ट सर्जरी कर रहा था, उसने कम से कम 8 मरीजों की जान ली। सक्सेना ने कहा कि इस मामले में कड़ी कार्रवाई और जवाबदेही की मांग करते हैं। क्योंकि दमोह में नकली डॉक्टर ने इलाज नहीं बल्कि हत्या की है।

गर्मी के पैकेज में बारिश ओले के साथ लू

मौसम के अजब-गजब तेवर

नई दिल्ली, एजेंसी

भीषण गर्मी के बीच उत्तरी-पश्चिमी राज्यों में मौसम बदल रहा है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश में बीती शाम से ही रुक-रुक कर बारिश हो रही है। मौसम विज्ञान विभाग ने 20 से ज्यादा राज्यों में आज (गुरुवार को) आंधी-तूफान और बारिश की संभावना जताई है। लखनऊ, कानपुर समेत 16 जिलों में सुबह से ओले गिरने के साथ बारिश जारी है। यहां 14 जिलों में बारिश का अलर्ट है। वहीं, बिहार में आकाशीय बिजली

गिरने से 22 की मौत हुई हैं। आज वहां 8 जिलों में ऑरेंज, जबकि 24 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। इधर, मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात में हीटवेव यानी लू चल रही है। यद्यपि पश्चिमी विक्षोभ के चलते राजस्थान के 16 जिलों में बारिश के आसार हैं। मप्र में लू के बीच भी कल कुछ स्थानों पर ओले गिरे और हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग ने आज उज्जैन-ग्वालियर संभाग में लू चलने का अलर्ट जारी किया है, जबकि 17 जिलों में बारिश होने की संभावना है। भोपाल में आज सुबह नौ बजे तक बादलें और अपेक्षाकृत ठंडी हवायें भी रहीं इसके बाद धूप पूरे तेवरों के साथ खिल गई।

महावीर जयंती : उज्जैन में महिलाओं ने खींचा रथ

भोपाल, एजेंसी

आज मप्र में महावीर जयंती का पर्व धूमधाम से मन रहा है। इंदौर सहित प्रदेश के तमाम बड़े शहरों और जैन तीर्थ स्थलों पर शोभायात्राएं निकाली जा रही हैं। प्रदेश के पांच बड़े जैन तीर्थ स्थलों पर धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं। सभी शहरों में दिगंबर और श्वेतांबर समाज ने अलग-अलग रथयात्रा निकाली हैं। इंदौर में श्वेतांबर जैन समाज ने सुबह राजवाड़ा से रथयात्रा निकाली। 108 युवाओं ने चांदी का रथ खींचा। उज्जैन में श्वेतांबर-दिगंबर समाज का सामूहिक जुलूस निकला, जिसमें चांदी की वेदी जी में प्रभु को विराजमान कर समाजजन अपने कांधे पर उठाकर निकले। जुलूस में महिलाओं ने भगवान का रथ खींचा। भोपाल के लालघाटी स्थित जैन नगर में महावीर जयंती पर जैन समाज ने शोभायात्रा निकाली। इसमें सबसे आगे ढोल-नगाड़े लिए बच्चे यात्रा को साथ लिए चल रहे हैं। ज्ञात हो कि मप्र में बैतूल में मुक्तागिरी, बड़वानी में बावनगजा, इंदौर में गोम्मटगिरि, दमोह में कुंडलपुर और धार का मोहनखेड़ा तीर्थस्थल हैं।

मेट्रो एंकर

अमेरिका के यू टर्न के बाद चर्चा में ट्रंप के तीन खास सलाहकार

ट्रंप के टैरिफ टेरर के तीन आर्किटेक्ट, तीनों धुर चीन विरोधी भी

नईदिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से 70 से ज्यादा देशों को रेसिप्रोकल टैरिफ से 90 दिनों की छूट के बाद बाजारों ने राहत की सांस ली है और सरकारों को भी चैन आ गया है। मगर अब वह चेहरे भी सामने आ रहे हैं जो ट्रंप के टैरिफ टेरर के पीछे खास भूमिकाओं में थे। ट्रंप के इस टैरिफ बम के आइडिया के पीछे यही चेहरे थे। इनमें सबसे बड़ा नाम है पीटर नैवारो का, जो आर्थिक मामलों में डोनाल्ड ट्रंप के सलाहकार हैं। इन दिनों उनका नाम दुनियाभर में इलॉन मस्क के साथ टैरिफ को लेकर विवाद सुर्खियां बटोर रहा है। नैवारो को चीन का सबसे बड़ा आलोचक माना जाता है। वह 2006 में चाइना वार और डेथ ऑफ चाइना नाम से दो किताबें लिख चुके हैं। नैवारो 2017 से 2021 तक व्हाइट हाउस में नेशनल ट्रेड काउंसिल

के डायरेक्टर पद पर रह चुके हैं। वह ट्रंप अमेरिका फर्स्ट पॉलिसी के कट्टर समर्थक हैं। उनकी सोच है कि हाई टैरिफ विदेशी आयात को महंगा करके अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देगा और नौकरियों का सृजन करेगा। इसी प्रकार दूसरा नाम है अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट का, जो राजनीति में आने से पहले हेज फंड मैनेजर हुआ करते थे। वह जॉर्ज सोरोस के साथ भी काम कर चुके हैं। 2015 में उन्होंने अपनी खुद की इन्वेस्टमेंट कंपनी शुरू की। स्कॉट बेसेंट ट्रंप की टैरिफ नीतियों के समर्थक हैं। उनका मानना है कि टैरिफ से न केवल कारोबार संतुलित होगा बल्कि अमेरिकी इकोनॉमी को बूस्ट मिलेगा। टैरिफ के बाद शेयर बाजार में तेज गिरावट के बाद बेसेंट ने बढ़-चढ़कर कहा कि अमेरिका मंदी से नहीं जूझेगा बल्कि देश की इकोनॉमी को इससे फायदा पहुंचेगा।

टैरिफ को लेकर पूरा प्लान तैयार किया

इसी प्रकार अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक इन्वेस्टमेंट बैंकर रहे हैं और वह इन्वेस्टमेंट फर्म कैंटर फिट्जेराल्ड के एग्जीक्यूटिव रह चुके हैं। वह लंबे समय से ट्रंप के दोस्त हैं और उनके हर बड़े फैसलों में लुटनिक की भूमिका रही है. उन्हें ट्रंप का वफादार कहा जाता है। लुटनिक को ट्रंप की मेक अमेरिका ग्रेट अगेन पॉलिसी के तहत टैरिफ का फेस कहा जाता है। वह ट्रंप की उस टीम का हिस्सा हैं, जिसने टैरिफ को लेकर पूरा प्लान तैयार किया। लुटनिक ने टैरिफ को बातचीत के टूल के तौर पर पेश किया, जिसका मकसद अन्य देशों को अमेरिकी उत्पादों के लिए अपने बाजार खोलने और व्यापार नीतियों में बदलाव करने के लिए मजबूर करना है। लुटनिक ने चीन और वियतनाम जैसे देशों पर अधिक से अधिक टैरिफ लगाने की वकालत की थी क्योंकि चीन की तुलना में अमेरिका उनके उत्पाद ज्यादा खरीदता है। दोनों देशों के बीच व्यापार बिल्कुल भी संतुलित नहीं है। उन्होंने न केवल इसे लागू करने में मदद की, बल्कि इसे जनता और बाजारों के सामने जायज ठहराने की जिम्मेदारी भी ली। माना जाता है कि इसी वजह से अमेरिका ने यू टर्न लेने के बावजूद चीन पर 100 फीसद से ज्यादा टैरिफ वापस नहीं लिया है।

सड़क पर बाजार...

भोपाल। राजधानी की मुख्य सड़कों के फुटपाथों को इस तरह दुकान लगाकर घेरा गया है।

'खबरनवीसी आपबीती आंखों देखी' भेंट की...

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल से गत दिवस दोपहर मेट्रो के प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया ने भेंट की और अपनी पुस्तक 'खबरनवीसी आपबीती आंखों देखी' भेंट की। इस दौरान उनके पुत्र रोहन सिरोठिया भी साथ थे।

बीयू : विधि विभाग में शिक्षकों का अभाव, 8 साल से 15 शिक्षकों की नियुक्ति का इंतजार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय विधि विभाग में शिक्षकों के अभाव में पढ़ाई प्रभावित हो रही है। बीयू विधि शिक्षण एवं शोध विभाग में आठ साल से 15 शिक्षकों की नियुक्ति के लिए शासन की मंजूरी का इंतजार कर रहा है। फाइल आठ साल से विभाग में धूल खा रही है, लेकिन अधिकारियों को फाइल की सुध लेने तक का समय नहीं है। 2017 से अभी तक बीयू से तीन कुलपति विदा हो चुके हैं। चौथे कुलपति के रूप में प्रो सुरेश कुमार जैन ने भी वित्त विभाग को नियुक्ति की मंजूरी के लिए स्मरण पत्र भेज दिया है, लेकिन विभाग की तरफ से कोई सूचना बीयू को नहीं दी गई है। वित्त की मंजूरी के अभाव में विभाग की शैक्षणिक गतिविधियां काफी प्रभावित हो रही हैं। यहां तक कि एलएलएम और बीएएलएलबी की सीटों में बढ़ोतरी तक नहीं हो सकी है, जिसका नुकसान विद्यार्थियों को उठाना पड़ रहा है।

2017 से अभी तक बीयू से तीन कुलपति विदा हो चुके, चौथे कुलपति ने भी वित्त विभाग को नियुक्ति की मंजूरी के लिए स्मरण पत्र भेजा

एलएलएम के लिए पांच पद स्वीकृति

बीयू में एलएलएम के लिए पांच पद स्वीकृति किए गए थे। इसमें अभी डॉ मोना पुरोहित विभागाध्यक्ष और अधिष्ठाता और प्रो नितीश आर डेनियल पदस्थ हैं। विभाग को 2017 में पहली बार बीएएलएलबी और एलएलएम की सीटें बढ़ाने और विद्यार्थियों को बार काउंसिल आफ इंडिया (बीसीआई) के मापदंड के मुताबिक अध्ययन कराने के लिए 15 शिक्षकों की जरूरत थी। इसलिए विभाग ने बीयू के तत्कालीन कुलपति डॉ मुरलीधर तिवारी को पत्र लिखकर सेल्फ फायनेंस में 15 शिक्षकों को नियुक्त करने के लिए स्वीकृति मांगी थी। मामला वित्त से जुडा होने के कारण तत्कालीन कुलपति तिवारी ने फाइल तैयार कराकर उच्च शिक्षा विभाग भेज दिया। फाइल गए हुए आठ साल का समय बीत गया है, लेकिन उच्च शिक्षा विभाग ने अभी तक फाइल को स्वीकृत या निरस्त करने तक की कोई सूचना नहीं भेजी है।

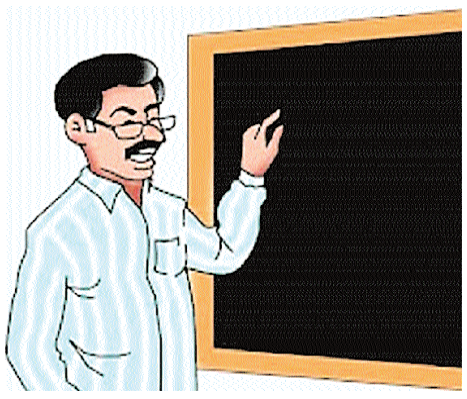

एलएलएम की 30 और बीएएलएलबी की 60 सीटें मौजूद

वर्तमान में विधि विभाग में एलएलएम की 30 और बीएएलएलबी की 60 सीटें मौजूद हैं। उक्त सीटों पर प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों अतिथि शिक्षकों से अध्ययन कराया जा रहा है। विभाग को 15 शिक्षकों को सेल्फ फायनेंस से नियुक्त करने की स्वीकृति मिल जाएगी, तो विभाग अपनी सीटों में बढ़ोतरी कर सकता है, जिससे बीएएलएलबी की सीटें 120 हो जाएंगी। इसी तरह एलएलएम की सीटों में बीसीआई के नियमानुसार बढ़ोतरी हो सकती है।

सरकारी राशन दुकान के चावल में कीड़े और इल्लियां, कलेक्टर को जांच के आदेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल शहर के शाहजहांनाबाद इलाके एक शादी हाल के पास संचालित सरकारी राशन की दुकान से गरीबों को वितरित किए जा रहे चावल में कीड़े और इल्लियां पाए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। मप्र मानव अधिकार आयोग ने मामले में संज्ञान लेते हुए कलेक्टर को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन तीन सप्ताह में मांगा है। आयोग के संज्ञान में आया है कि, उपभोक्ताओं ने जब इसकी शिकायत दुकान संचालक से की, तो उसने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि उसे जैसा राशन मिल रहा है, वैसा ही वह बांट रहा है। इस घटना ने सरकार द्वारा गरीबों को पौष्टिक और स्वच्छ खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि उन्हें राशन की दुकान से जो चावल मिला है, उसमें बड़ी संख्या में कीड़े और इल्लियां रेंग रही हैं।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने शाहजहांनाबाद इलाके सरकारी राशन के मामले में लिया संज्ञान

सिंधी भाषा दिवस: एक भाषाई विरासत की चिंता

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

10 अप्रैल को सिंधी भाषा दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो 1967 में सिंधी भाषा को भारतीय संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल करने की याद दिलाता है। हालांकि, अखिल भारतीय सिंधी समाज के राष्ट्रीय मुख्य सलाहकार सुरेश जसवानी का कहना है कि आजादी के 77 साल बाद, सिंधी भाषा अपनी अंतिम सांसें गिन रही है।

विभाजन का दर्द और भाषाई विस्थापन : जसवानी का कहना है, 14 अगस्त 1947 सिंधी हिंदुओं के लिए एक दर्दनाक दिन था, जब पाकिस्तान का गठन हुआ। विभाजन के दौरान, सिंधी समुदाय को अपनी मातृभूमि से विस्थापित होना पड़ा और लगभग 20 लाख सिंधी हिंदू भारत में शरणार्थी बन गए। सिंध, जो पहले एक भाषाई राज्य था, अब भारत में सिंधियों का कोई विशेष भाषाई क्षेत्र नहीं रहा।

सिंधी भाषा की वर्तमान स्थिति: आज, शहरों में रहने वाले सिंधी परिवारों में से केवल 15त्न ही अपनी मातृभाषा में बात करते हैं। सिंधी लिपि धीरे-धीरे लुप्त हो रही है, और युवा पीढ़ी हिंदी और अंग्रेजी को प्राथमिकता दे रही है। जसवानी का मानना है कि जब तक सिंधी भाषा को रोजगार से नहीं जोड़ा जाता, तब तक इसका उत्थान संभव नहीं है।

भाषा को रोजगार से जोड़ा जाए: जसवानी ने महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में सिंधी लिपि को रोजगार से जोड़ने का आह्वान किया है, जहां सिंधी हिंदुओं की एक बड़ी आबादी है। उन्होंने राज्य सरकारों और राजनीतिक दलों से सिंधी भाषा के संरक्षण और उत्थान के लिए प्रयास करने का आग्रह किया है।

सिंधी भाषा का महत्व: सिंधी भाषा न केवल एक भाषाई विरासत है, बल्कि यह सिंधी संस्कृति और पहचान का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसका संरक्षण करना आवश्यक है ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी जड़ों से जुड़ी रहें। सिंधी भाषा दिवस पर, हमें सिंधी भाषा के संरक्षण के लिए अपनी प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करना चाहिए और इसे एक जीवंत और समृद्ध भाषा बनाए रखने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

मेट्रो ट्रेन की ब्लू लाइन अप्सरा के पास टेस्टिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मेट्रो ट्रेन की ब्ल्यू लाइन में बुधवार को पांचवीं जगह पर टेस्टिंग शुरू की गई। रायसेन रोड अप्सरा टॉकीज के पास बैरिकेडिंग कर यहां जमीन की जांच शुरू की गई है। इससे पहले डिपो चौराहा, मिंटो हॉल, जेके रोड, भदभदा रोड पर जांच शुरू की थी। गौरतलब है कि रत्नागिरी से भदभदा तक करीब 12 किमी लंबाई में मेट्रो की ब्ल्यू लाइन पर काम प्रस्तावित है। 2027 तक ओरेंज व ब्ल्यू लाइन पर ट्रैफिक शुरू करना है, लेकिन निर्माण में तमाम तरह की बाधाएं सामने आ रही है। इनके निपटने के लिए ही काम किया जा रहा है।

विभाग ने सभी सरकारी कॉलेजों के प्राचार्यों को जारी किए आदेश

कॉलेजों के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को मिलेगी वर्दी, एक सप्ताह में देना होगा जवाब

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उच्च शिक्षा विभाग के कॉलेजों में पदस्थ चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी अब वर्दी में नजर आएंगे। उच्च शिक्षा विभाग ने राजधानी सहित प्रदेशभर में सरकारी कॉलेजों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों से उनकी आवश्यकता के अनुसार वर्दी मद के लिए मांग पत्र मांगा है। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी सरकारी कॉलेजों के प्राचार्यों को आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश में कहा गया है कि सरकारी कॉलेजों के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए बीते वर्षों से समय समय पर उनकी वर्दी के लिए विभाग द्वारा वर्दी मद में बजट प्रदान किया जाता रहा है। इस सत्र 2025_26 में भी वर्दी मद के तहत यह व्यवस्था रहेगी। इसके लिए प्रदेश के जिन कॉलेजों के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को वर्दी के लिए बजट की आवश्यकता है, वे कर्मचारी आवश्यकता के अनुसार दिए गए फॉर्मेट में एक सप्ताह के अंदर आवेदन प्रस्तुत करें।

होल सेल फायर वर्क्स एसो के आसनदास बने अध्यक्ष

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो। मप्र होल सेल फायर वर्क्स के सभी सदस्यों ने एक मत से आसानदास चंदनानी को अध्यक्ष मनोनीत किया। चंदनानी के नाम का फैसला मध्य प्रदेश के होल सेल व्यापारियों के मीटिंग में लिया गया, जिसमें मध्यप्रदेश के कई शहरों से व्यापारी शामिल हुए। मीटिंग में मोहित गोपलानी, सुरेश फरवानी, नफीस खान, मनोज जैसवानी, मोहम्मद नफीस प्रमुख रूप से उपस्थित थे। नए अध्यक्ष का स्वागत व्यापारियों ने हार-फूल से किया।

भूखे को अन्न, प्यासे को पानी सेवा शुरू होगी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

धार्मिक सामाजिक सेवा संस्था पूर्ण ज्योति सेवा संस्था कई सेवाएं जनकल्याण के लिए आरंभ करने वाली है, जिसकी शुरुआत भूखे को अन्न प्यासे को पानी की सेवा से आरंभ की जाएगी। इस सेवा में गरीब एवं कमजोर वर्ग के लोग को निशुल्क भोजन प्रदान किसर जाएगा। यह सेवा सेवा संस्था के संस्थापक और शिव महापुराण कथा वाचक मुकेशजी के मार्गदर्शन में की जाएगी। मुकेशजी ने कहा कि अन्न और जल का दाम परम दान है क्योंकि इसके बिना मनुष्य का जीवन संभव नहीं है यह मनुष्य की मूल आवश्यकता है और ऐसे कई गरीब लोग हैं जिनको दो वक्त का खाना भी नसीब नहीं होता इसीलिए ऐसे लोगों की मदद करने और उनकी सेवा के लिए पूर्ण ज्योति सेवा संस्था द्वारा यह अभियान चलाया जाएगा।

मैपकास्ट: एआई/एमएल आधारित कृषि उपज मॉडलिंग पर हुआ प्रशिक्षण

वैज्ञानिक, रीमोट सेंसिंग सेंटर, कृषि विभाग एवं बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मैपकास्ट) में एआई/एमएल आधारित कृषि उपज मॉडलिंग पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय व्याख्यान एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने गहन जानकारी एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आए वैज्ञानिक, रीमोट सेंसिंग सेंटर, कृषि विभाग एवं बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के पहले दिन डॉ. सुनील दुबे (उप निदेशक, एमएनसीएफसी, डीए एंड एफडब्ल्यू, भारत सरकार) ने यस-टेक परियोजना की कार्यप्रणाली, कार्यान्वयन की स्थिति, राज्यों में प्रगति, चुनौतियों एवं उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की। ऋषभ सक्सेना (पायथन डेवलपर एवं एआई/एमएल विशेषज्ञ, मैपकास्ट) ने एआई/एमएल तकनीक का परिचय देते हुए फसल उपज अनुमान मॉडल को प्रस्तुत किया। उन्होंने न्यूरल नेटवर्क और रैंडम फॉरेस्ट जैसे तकनीकों के उपयोग के साथ क्रॉस वैलिडेशन मैट्रिक्स के माध्यम से त्रुटि विश्लेषण की जानकारी दी। डॉ. भवानी (एमएनसीएफसी, नई दिल्ली) ने धान की फसल पर आधारित उपज अनुमान मानचित्र प्रस्तुत किया और वर्तमान में अपनाई जा रही एआई/एमएल तकनीकों की भूमिका को रेखांकित किया। व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र में मनोज पटीदार एवं एएसडी टीम ने डाटा डाउनलोडिंग एवं प्रोसेसिंग की प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया। दूसरे दिन डॉ. जी.डी. बैरागी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक ने खरीफ मौसम में सोयाबीन फसल की उपज के लिए राजस्थान राज्य में यस-टेक परियोजना के अंतर्गत प्रस्तावित जिलों में एआई/एमएल मॉडलिंग की प्रस्तुति दी।

इम्पैक्ट फीचर

मप्र में संभावनाओं का रेड कारपेट...

निवेश के लिए मध्यप्रदेश ही क्यों... सबसे सही विकल्प है

ये खूबियां बनाती हैं मध्यप्रदेश को निवेश के लिए नंबर 1 डेस्टिनेशन

मध्य प्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (MPIDC) मध्य प्रदेश सरकार का एक संस्थान है, जो औद्योगिक नीति और निवेश संवर्धन विभाग (DIPIP) के तहत काम करता है। यह राज्य में निवेश को बढ़ावा देने और उद्योगों की सुविधा के लिए सिंगल विंडो सचिवालय के रूप में कार्य करता है। MPIDC का लक्ष्य मध्य प्रदेश में उद्योगों के विकास और आर्थिक वृद्धि को तेज करना है, ताकि व्यवसायों के लिए एक आसान और अनुकूल माहौल बनाया जा सके। MP Invest पोर्टल मध्य प्रदेश का सिंगल विंडो सिस्टम है, जिसे राज्य में व्यापार करने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए बनाया गया है। यह निवेशकों और व्यवसायों के लिए एक संपूर्ण समाधान प्रदान करता है।

सबसे तेज, पारदर्शी और बिजनेस फ्रेंडली पॉलिसी

अप्रूवल्स और क्लीयरेंस
विभिन्न सरकारी विभागों से उद्योग से जुड़ी मंजूरी, स्वीकृतियां और सेवाएं आसानी से प्राप्त होती हैं।

नेशनल सिंगल विंडो सिस्टम
MP Invest पोर्टल पूरी तरह से भारत सरकार के नेशनल सिंगल विंडो सिस्टम से जुड़ा हुआ है, जिससे निवेशकों के लिए एक एकीकृत और सुगम प्रक्रिया सुनिश्चित होती है।

ऑनलाइन भूमि आवंटन
यह पोर्टल GIS-आधारित प्रणाली प्रदान करता है, जिसके जरिए MPIDC द्वारा प्रबंधित औद्योगिक क्षेत्रों में भूमि आवंटन ऑनलाइन किया जाता है। यह प्रक्रिया को पारदर्शी और प्रभावी बनाता है।

इन्सेन्टिव एप्लीकेशन मैनेजमेंट
इस पोर्टल के माध्यम से मध्य प्रदेश सरकार की औद्योगिक संवर्धन नीति के तहत प्रोत्साहन योजनाओं के लिए आवेदन आसानी से किए जा सकते हैं।

विस्तृत जानकारी एक जगह
इस पोर्टल पर आपको निम्नलिखित विषयों पर विस्तृत जानकारी मिलेगी:
- मध्य प्रदेश में व्यवसाय के लिए आवश्यक मंजूरी
- सरकारी नीतियां
- राज्य में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के अवसर
- व्यवसाय करने में आसानी (EoDB) से जुड़े इनिशिएटिव्स

फास्टट्रैक अप्रूवल्स
- **जरूरी मंजूरियां :** निवेश में तेजी लाने के लिए और निवेशकों को प्रोत्साहित करने के लिए सभी जरूरी स्वीकृतियां तेजी से जारी की जाती हैं।
- **तेज भूमि आवंटन:** भूमि के लिए Letter of Intent मात्र 7 दिनों में जारी किए जाते हैं।
- **सबसे तेज प्रोसेसिंग :** व्यवसायों के कीमती समय की बचत के लिए भूमि आवंटन पत्र शीघ्रता से जारी किए जाते हैं।

ग्वालियर-चंबल में 19 और उज्जैन में 27 इकाइयों का हुआ भूमिपूजन

21.40 लाख रोजगार के सपने को पंख, 1 माह में ही जमीन पर उतरने लगे निवेश

मध्यप्रदेश में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (GIS) के एक महीने बाद ही निवेश धरातल पर उतरने लगे हैं। कई कंपनी यहां निवेश के लिए आ रही है। इससे आने वाले समय में प्रदेश में 21.40 लाख नए रोजगार सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 25 मार्च को उज्जैन में 27 औद्योगिक इकाइयों का भूमि पूजन करेंगे। इन इकाइयों से 4700 से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। दो दिन पहले ग्वालियर-चंबल में 19 इकाइयों को भूमिपूजन किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास के स्वर्णिम युग की ओर बढ़ रहा है। वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष घोषित किया गया है।

मुख्यमंत्री उज्जैन के विक्रम उद्योगपुरी, ताजपुर औद्योगिक क्षेत्र और मेडिकल डिवाइसेस पार्क में 1127 करोड़ रुपये के निवेश से बनने वाली औद्योगिक इकाइयों का भूमिपूजन करेंगे। साथ ही, 28.1 करोड़ रुपये की लागत से बने सामान्य अपशिष्ट उपचार केंद्र (सीईटीपी) का लोकार्पण करेंगे। यह केंद्र औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा, जिससे उज्जैन औद्योगिक क्षेत्र को एक सतत और स्वच्छ औद्योगिक मॉडल के रूप में विकसित किया जा सकेगा। विक्रम उद्योगपुरी (उज्जैन) देश के 12 सबसे स्वच्छ उद्योगिक क्षेत्रों में शामिल है। मध्यप्रदेश में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव, रोड शो और GIS-2025 जैसे आयोजनों से निवेशकों का विश्वास बढ़ा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से राज्य तेजी से औद्योगिक विकास की ओर बढ़ रहा है। पानी, जमीन और प्रकृति की भरपूर उपलब्धता भी इस प्रदेश को खास बनाती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने देखी मध्यप्रदेश के भविष्य की तस्वीर

विक्रम उद्योगपुरी (उज्जैन)
- सिग्निफाईआरबीटी कॉन्सेप्ट प्राइवेट लिमिटेड – 100 करोड़ रुपये का निवेश, 250 नौकरियां।
- रेलसस प्राइवेट लिमिटेड – 97 करोड़ रुपये का निवेश, 180 नौकरियां।
- इस्कॉन बालाजी फूड्स प्राइवेट लिमिटेड – 92.74 करोड़ रुपये का निवेश, 383 नौकरियां।
- पायोनियर इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज – 51 करोड़ रुपये का निवेश, 900 नौकरियां।

ताजपुर औद्योगिक क्षेत्र
- विश्वकर्मा इंडस्ट्रीज – 0.55 करोड़ रुपये का निवेश, 6 नौकरियां।
- एसएस इलेक्ट्रिकल्स – 2 करोड़ रुपये का निवेश, 25 नौकरियां।
- जेएसके फूड्स – 1.6 करोड़ रुपये का निवेश, 50 नौकरियां।
- महाकाल इंडस्ट्रीज – 0.5 करोड़ रुपये का निवेश, 5 नौकरियां।
- मेडिकल डिवाइसेस पार्क – स्वास्थ्य क्षेत्र में औद्योगिक विकास
- युवीटेल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड – 2 करोड़ रुपये का निवेश, 30 नौकरियां।
- बंसी सर्जिकल सॉल्यूशंस – 1.47 करोड़ रुपये का निवेश, 27 नौकरियां।
- अमूल्यम ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड – 6.7 करोड़ रुपये का निवेश, 132 नौकरियां।

सौर ऊर्जा में मध्यप्रदेश की भूमिका
- 2030 तक 20 गीगावाट अक्षय ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य।
- नीमच और मुरैना में विश्वस्तरीय सौर पार्क।
- मुख्यमंत्री सोलर पंप योजना से 30 लाख किसानों को लाभ।

"मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा"

हाईटेक सुविधाओं से लैस होगी सुगम परिवहन सेवा

मध्यप्रदेश में विकास की गति दिन दूनी और रात चौगुनी स्तर पर चल रही है। प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव संकल्पित है कि सूबे के हर वर्ग के रहवासी तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। विकास की राह पर चलते हुए प्रदेश सरकार ने एक और कदम "मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा" के रूप में उठाया है। इस योजना के तहत प्रदेशभर में 1600 बसों का संचालन किया जाएगा। जिससे रोज यात्रा करने वाले हजारों यात्रियों को लाभ मिल सकेगा।

प्रदेशवासियों को बेहतर और सुरक्षित बस सेवा मुहैया करवाने के उद्देश्य से शुरू की जा रही इस बस सेवा में आई.टी.एम.एस. उपकरणों जैसे जी.पी.एस., पी.आई.एस., पी.ए.एस. महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पेनिक बटन, कैमरा जैसे यंत्र लगे होंगे। इन बसों को शहरों में बनाए कंट्रोल कमांड सेंटर के साथ पब्लिक ग्रिवेन्स सिस्टम तथा हेड कन्ट्रोल कमांड सेंटर से होगा। इसके साथ ही यात्रियों को सिंगल टिकिट सिस्टम वेबसाइड और मोबाइल एप्लीकेशन की सुविधा भी दी जाएगी।

यात्री परिवहन सेवा के प्रस्ताव को सभी अनुमति मिलने के बाद इस पर काम शुरू कर दिया जाएगा। कंपनी गठन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके बाद बसों का संचालन सबसे पहले इंदौर-उज्जैन से किया जाएगा। इसका कारण इन मार्गों पर यात्री संख्या अधिक होना है। इसके बाद धीरे-धीरे पूरे प्रदेश में बसों का संचालन किया जाएगा। इसमें निजी ऑपरेटर ही बसों का संचालन करेंगे। जिन रूटों पर निजी ऑपरेटर बस नहीं चलाएंगे, वहां पर सरकार खुद बस चलाने का निर्णय लेगी।

रूट के सर्वे का काम शुरू

परिवहन विभाग ने प्रस्ताव के साथ ही बसों के रूट पर सर्वे का काम भी शुरू कर दिया है। इसमें देखा जाएगा कि किन रूटों पर यात्रियों की संख्या ज्यादा है। उसके हिसाब से निजी ऑपरेटरों को बसों के संचालन का परमिट जारी किए जाएंगे। जिन रूटों पर यात्रियों की संख्या कम होगी, उन रूटों पर उसके हिसाब से बसों का संचालन तय किया जाएगा। रूट के सर्वे में शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों को शामिल किया गया है।

बस की लोकेशन एप पर दिखेगी

परिवहन विभाग एक सॉफ्टवेयर तैयार कर रहा है। इसमें बसों की पूरी निगरानी की व्यवस्था होगी। नई व्यवस्था में ऑनलाइन टिकट बुकिंग सुविधा के साथ ही बस की लोकेशन को भी यात्री मोबाइल एप के माध्यम से ट्रैक कर सकेंगे। इसमें बसों की ऑक्युपेंसी के साथ ही उसकी स्थिति की हर स्तर पर मॉनीटरिंग की व्यवस्था होगी।

इनकों रखनी होगी निगरानी

इसी प्रकार जिला स्तरीय समिति के समन्वयक जिला कलेक्टर रहेंगे तथा इस समिति में जिले के सांसद, समस्त विधायकगण, महापौर व अध्यक्ष नगर पालिका, जिला पंचायत अध्यक्ष, आयुक्त नगर निगम, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, समस्त मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका व नगर परिषद, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, जिला परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण तथा कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यात्रिकी सेवा रह सकेंगे। इस समिति का दायित्व निम्नानुसार रहेगा –

(1) संभाग स्तरीय यात्री परिवहन कंपनी द्वारा साधारण एवं ग्रामीण मार्गों पर किये जा रहे बसों के संचालन की प्रभावी मॉनीटरिंग।

(2) जिले के बस परिवहन ऑपरेशन में रुट की लंबाई अथवा रुट में संशोधन, स्टापेज, बस फ्रिक्विंसी, आई .टी . प्लेट फार्म का सुचारु रुप से संचालन, साधारण एवं ग्रामीण मार्गों पर बस स्टॉप, चार्जिंग स्टेशन के निर्माण संबंधी सुझाव क्षेत्रीय कंपनी को देना।

(3) क्षेत्रीय कंपनी द्वारा जिले में यात्री परिवहन सुविधा हेतु निर्मित किये जाने वाली अधोसंरचना के संबंध में आवश्यक सुझाव एवं सहयोग प्रदान करना ।

(4) जिले के बस ऑपरेटर्स के मध्य आवश्यक समन्वय का कार्य।

D-19003/25

जीआईएस-भोपाल ने रचा स्वर्णिम इतिहास : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने में मध्यप्रदेश पूरी प्रतिबद्धता के साथ जुटा हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में निरंतर अभूतपूर्व उपलब्धियों के कीर्तिमान रचे जा रहे हैं। जीआईएस-भोपाल में दो दिन में रिकॉर्ड 26.61 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए है। जीआईएस-भोपाल ने निवेशकों को रिझाने में कई राज्यों को पीछे छोड़ दिया है।

इन निवेश प्रस्तावों में विगत एक वर्ष में आयोजित 7 रीजनल कॉन्क्लेव, 6 रोड शो एवं इंटरेक्टिव सेशन्स में मध्यप्रदेश को कुल 30.77 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनसे युवाओं के लिए रोजगार के 21.40 लाख से अधिक अवसर सृजित होंगे। मध्यप्रदेश एक वित्तीय वर्ष में सर्वाधिक निवेश प्रस्ताव प्राप्त करने वाला देश का तीसरा राज्य बन गया है। जीआईएस-भोपाल के दो दिनों में अलग-अलग सेक्टर में 85 से अधिक एमओयू किए गए हैं। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के अच्छे परिणाम से उत्साहित राज्य सरकार अब सेक्टर्स और क्षेत्रीय औद्योगिक विशिष्टताओं को निवेश के लिये आधार बनाकर भविष्य में इंडिस्ट्रियल कॉन्क्लेव आयोजित किए जाने की रणनीति बना रही है।

समिट के दौरान नेशनल अथॉरिटी ऑफ इंडिया और लोक निर्माण विभाग के बीच 1.30 लाख करोड़ के एमओयू पर हस्ताक्षर हुए हैं। इससे राज्य में सड़क और बुनियादी ढांचे का विकास तेज होगा।

इसके साथ ही समिट में प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य की 18 नई औद्योगिक नीतियों का शुभारंभ भी किया, जिससे प्रदेश में व्यापार और निवेश को और अधिक गति मिलेगी। जीआईएस-भोपाल को निवेशकों से भारी उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि समिट के लिए 25,000 से अधिक रजिस्ट्रेशन हुए। समिट में भारत और विश्व के 300 से अधिक प्रमुख उद्योगपतियों ने भाग लिया।

स्टार्ट-अप पिचिंग सेशन में उभरी भविष्य की तस्वीर...

- ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 में 'फ्यूचर फ्रंटियर : स्टार्ट-अप पिचिंग सेशन' नए उभर रहे उद्यमियों, निवेशकों और उद्योग जगत के दिग्गजों के लिए एक गेम-चेंजर मंच साबित हुआ। इससे भविष्य की एक नई तस्वीर उभरी है। स्टार्ट-अप पिचिंग सेशन ने नवाचार और व्यापारिक विकास को प्रोत्साहित करने वाले माहौल को मजबूत किया।
- इस सेशन में कुल 180 स्टार्ट-अप ने पंजीकरण कराया जो मध्यप्रदेश के उभरते स्टार्टअप ईकोसिस्टम की जीवंतता और आर्थिक परिवर्तन की क्षमता को दर्शाता है। इनमें से 25 उच्च-संभावित स्टार्ट-अप को अपने वेंचर प्रस्तुत करने के लिए चुना गया। स्टार्ट-अप पिचिंग सेशन में निवेशकों और इनक्यूबेटर्स ने अत्यधिक रुचि दिखाई, जिसमें 19 स्टार्ट-अप को जूरी सदस्यों से एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट प्राप्त हुए।

संपादकीय

राज्यपाल और सुप्रीम व्यवस्था

देश में कई राज्यों के राज्यपालों और राज्य सरकारों के बीच तनातनी कोई नई बात नहीं है बल्कि पिछले कई सालों से यह मसाला चला आ रहा है राज्य सरकारी अक्सर आरोप लगा रही है कि राज्यपाल राजनीतिक भूमिका में नजर आने लगे हैं। इसी बीच हाल में तमिलनाडु सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला राज्य और राज्यपालों के बीच लंबे समय से चले आ रहे विवादों के समाधान की दिशा में अहम कदम माना जाना चाहिए। मगर वाकई ऐसा होगा इसमें अभी कुछ संशय बाकी हैं। दरअसल शीर्ष अदालत ने एक बार फिर से राज्यपालों की भूमिका स्पष्ट की है। यह फैसला आने वाले वक्त में एक नजीर बनेगा और उम्मीद है कि टकराव के रास्ते से हटकर राज्य सरकारें और राज्यपाल मिलकर काम करेंगे।

तमिलनाडु सरकार को इसलिए सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ा था, क्योंकि राज्यपाल ने कई विधेयक लंबे समय से रोक रखे थे और उन्हें राष्ट्रपति के पास भेजा था। कोर्ट ने इसे अवैध और विधिक रूप से त्रुटिपूर्ण बताया। इसी तरह का विवाद पिछले साल केरल में भी हुआ था। तब राज्य की डेमोक्रेटिक फ्रंट सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगाई थी कि तत्कालीन राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कई बिल दो साल तक लटकाए रखे और फिर उसे राष्ट्रपति के पास भेज दिया। देश की शीर्ष अदालत पहले भी कह चुकी है कि राज्यपाल विधानसभा में पारित किसी विधेयक को हमेशा के लिए अपने पास रोक कर नहीं रख सकते। उन्हें उस पर फैसला लेना ही होगा। अफसोस कि पिछली किसी नसीहत का कोई असर नहीं दिखा। इसी वजह से सुप्रीम कोर्ट को ताजा मामले में वही बातें फिर से दोहरानी पड़ी हैं। फैसले का यह बिंदु बेहद अहम है कि राज्यपालों को किसी बिल पर एक से तीन महीने में फैसला ले लेना चाहिए। वैसे तो देश में राज्य और राज्यपालों के बीच विवाद का इतिहास बहुत पुराना है। मामला केवल विधेयकों को मंजूरी देने तक नहीं है। नियुक्तियां, निर्णय, अधिकार और शक्तियां कई मुद्दों पर दोनों में टकराव होता रहा है। हाल में इसका सबसे बड़ा उदाहरण पश्चिम बंगाल और दिल्ली रहे। बंगाल की ममता बनर्जी सरकार की पहले जगदीप धनखड़ और अब सीवी आनंद बोस के साथ कभी पटरी नहीं बैठी। वहीं, दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार के कार्यकाल में एलजी के साथ कई बार मतभेद हुए।साल 1959 में गवर्नर की रिपोर्ट पर केंद्र ने केरल की नंबूदरीपाद सरकार को बर्खास्त कर दिया था। वह पहला मामला था, और जब से राज्यपालों की नियुक्तियां राजनीतिक होने लगीं, टकराव बढ़ने लगा।

नवंबर 2023 में पंजाब सरकार और राज्यपाल के बीच हुए विवाद की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त टिप्पणी करते हुए कहा था, हमारा देश स्थापित परंपराओं पर चल रहा है और उनका पालन किया जाना चाहिए। राज्य का संवैधानिक प्रमुख होने के नाते परंपराओं की सुरक्षा राज्यपाल की ज्यादा जिम्मेदारी है। संविधान में केंद्र और राज्यों के बीच विधायी, कार्यकारी और वित्तीय शक्तियों का स्पष्ट विभाजन किया गया है। राज्यपाल को इनका अनुपालन करना चाहिए। भारत मैं लोकतंत्र की जड़ें मजबूत है तथा संविधान भी प्रत्येक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति की भूमिका साफ तौर पर रेखांकित और परिभाषित करता है। इसके बावजूद भी राजभवनों की भूमिका पर सवाल या विवाद उठते हैं तो यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है।

राजनीतिक हित साधने का जरिया न बने भाषा

■ विश्वनाथ सचदेव

महाराष्ट्र सरकार के एक अधिकारी को मराठी न बोल पाने की सज़ा भुगतनी पड़ी। मातृभाषा मराठी के प्रति अतिरिक्त लगाव वाले कुछ मराठी युवाओं ने यह सज़ा दी थी। उन्हें महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) का संरक्षण प्राप्त था। अब मनसे के नेता राज ठाकरे ने अपने अनुयायियों से कह दिया है कि महाराष्ट्र में मराठी बोलने की अनिवार्यता के लिए अभियान जारी रखने की आवश्यकता नहीं है। लोग समझ गये हैं। लोग कितना समझे हैं, और राज्य में मराठी भाषा का उपयोग कितना बढ़ जायेगा, यह तो आने वाला कल ही बतायेगा, लेकिन यह बात तो सहज समझ में आने वाली है कि जो जहां रह रहा है, उसे क्षेत्र-विशेष की भाषा तो आनी ही चाहिए। लेकिन यहीं इस बात की समझ की भी अपेक्षा की जाती है कि हमारा संविधान रोजी-रोटी के लिए कहीं भी आने-जाने, बसने का अधिकार देश के हर नागरिक को देता है। आसेतु-हिमालय सारा भारत देश के सब नागरिकों का है, सबको कहीं भी जाकर बसने का अधिकार है। ऐसे में, क्षेत्र-विशेष की भाषा बोलने की शर्त हर नागरिक के लिए लागू करना शायद उतना व्यावहारिक नहीं होगा, जितना समझा जा रहा है। इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि कोई भाषा न बोल पाने वाला उस भाषा के प्रति अवमानना का भाव रखता है। यहीं इस बात को रेखांकित किया जाना ज़रूरी है कि अपनी भाषा के प्रति लगाव का भाव होना एक स्वाभाविक स्थिति है, अपनी भाषा के प्रति प्यार और सम्मान का भाव होना ही चाहिए, पर इसका यह अर्थ नहीं है कि हम देश की अन्य भाषाओं के प्रति अवमानना का भाव रखें। देश की सारी भाषाएं हमारी भाषाएं हैं, और हमें सब पर गर्व होना चाहिए।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विभिन्न भाषाओं से समृद्ध हमारे भारत में भाषा के नाम पर विवाद खड़े किये जाते हैं। इस मुद्दे पर कई बार विभिन्न राज्यों में हिंसक घटनाएं भी हो चुकी हैं। उस स्थिति का मुख्य कारण भाषा को राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति का माध्यम बनाना है। यह एक हकीकत है कि भाषा की इस राजनीति ने देश के अलग-अलग हिस्सों में अप्रिय स्थितियां पैदा की हैं। तमिलनाडु, महाराष्ट्र, बंगाल, कर्नाटक आदि राज्यों में हमने इस राजनीति के दुष्परिणाम देखे हैं। अब भी समय-समय पर इन दुष्परिणामों की चिंगारियां भड़क उठती हैं।बहरहाल, जहां तक महाराष्ट्र का सवाल है भाषाई आंदोलन यहां के राजनीतिक इतिहास का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। मराठी संस्कृति और भाषा की रक्षा के नाम पर, मराठी अस्मिता की दुहाई देकर राजनीतिक दलों का गठन तक हुआ है। मराठी मानुष के हितों का नाम लेकर राज्य में समय-समय पर आंदोलन होते रहे हैं।

इस संदर्भ में 'मनसे' की हाल की कार्रवाई ऐसा ही एक उदाहरण प्रस्तुत करने वाली है।

हमारे देश में राज्यों का गठन भाषाई आधार पर हुआ है। ये भाषाएं हमारी कमज़ोरी नहीं, ताकत हैं। इसलिए ज़रूरी है कि हमारी हर भाषा निरंतर समृद्धि की दिशा में बढ़े, बढ़ती रहे। भाषा के विकास का मतलब यही नहीं है कि उसका विस्तार कितना हो गया है अथवा उस भाषा के बोलने वालों की संख्या कितनी बढ़ गयी है। भाषा के विकास का अर्थ यह भी है कि भाषा की क्षमता कितनी बढ़ी है अर्थात नये-नये विषयों को समझने-समझाने में भाषा कितनी सक्षम हो गयी है या होती जा रही है। साहित्य, संस्कृति, कला, विज्ञान आदि क्षेत्रों की आवश्यकताओं की पूर्ति में कोई भाषा कितनी समृद्ध है, यही तथ्य उसके विकास का असली पैमाना है।यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि आज भाषा के नाम पर जो आंदोलन-अभियान चलाये जा रहे हैं उनके पीछे असली मकसद भाषा की समृद्धि नहीं, राजनीतिक हितों को साधने की हवस है। यहां हितों के बजाय स्वार्थ कहना अधिक उपयुक्त होगा। किसी अफसर को राज्य-विशेष की भाषा बोलनी नहीं आती तो इसका अर्थ यह नहीं है कि उसे सरेआम थप्पड़ मार दिया जाये। भाषा के हित साधने का यह तरीका अनुचित ही नहीं, आपराधिक भी है। उचित तरीका तो यह है कि हम अपनी भाषा को इतना समृद्ध बनायें कि हर किसी को उसे सीखने, काम में लेने की इच्छा होने लगे। लेकिन हमारे यहां स्थिति उल्टी है। तमिलनाडु वाले कहते हैं कि हम पर हिंदी थोपी जा रही है, कर्नाटक वालों को सार्वजनिक स्थानों पर हिंदी में जानकारी दिये जाने पर ऐतराज है। महाराष्ट्र वालों को शिकायत है कि उनकी भाषा को 'क्लासिकल दर्जा' दिये जाने के बावजूद वह सम्मान नहीं दिया जा रहा जिसकी वह अधिकारी है। और दुर्भाग्यपूर्ण यह भी है कि इन सब के पीछे भाषा विशेष के प्रति प्यार या सम्मान का भाव नहीं होता, अक्सर राजनीतिक स्वार्थ ही इसका कारण बनते हैं ।

यदि बात सिर्फ प्यार या सम्मान की ही है तो राज ठाकरे की चिंता राज्य में मराठी माध्यम के स्कूलों की संख्या का घटना होती। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में दस साल पहले की तुलना में मराठी माध्यम के स्कूल आज कहीं कम हैं। वर्ष 2014-15 में मुंबई महानगर पालिका मराठी माध्यम के 368 स्कूल चलाती थी, आज ऐसे सिर्फ 262 स्कूल हैं॥ अर्थात दस वर्षों में मराठी माध्यम की सौ शालाएं बंद हो गयी हैं! चिंता इस कमी पर होनी चाहिए। पर कोई नहीं पूछ रहा कि यह सौ स्कूल क्यों बंद हो गये। यह तो पूछा जा रहा है कि राज्य में फलां अफसर को मराठी बोलनी क्यों नहीं आती, यह कोई नहीं पूछ रहा कि मराठी माणुस अपने बच्चों को मराठी माध्यम के स्कूलों में पढ़ाना क्यों पसंद नहीं कर रहा? अपनी भाषा के प्रति प्यार और सम्मान के भाव का यह भी एक मतलब है कि हम उसकी क्षमता में विश्वास रखें। अपनी भाषा बोलने-लिखने में गर्व का अनुभव हो हमें। हाल ही में देश की राजधानी में आयोजित अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन की अध्यक्ष डा. तारा भावलकर ने अपने अध्यक्षीय भाषण में मराठी भाषा की इसी स्थिति पर चिंता प्रकट की थी। उन्होंने कहा था, 'हम मराठियों ने अपनी भाषा के 'क्लासिकल भाषा' का दर्जा दिये जाने का अभियान चलाया था, और उसे प्राप्त भी कर लिया। हमारी अपेक्षा है कि मराठी निरंतर विकसित हो। पर और भी कई बातें हैं जिनकी हमें चिंता होनी चाहिए।' इन 'बातों' में उन्होंने मराठी में शिक्षा की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा था, 'आज मराठी स्कूल बंद हो रहे हैं और उनकी संपत्ति बेची जा रही है!'

महाराष्ट्र के किसी सरकारी अधिकारी का मराठी बोल पाना उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितनी यह बात कि महाराष्ट्र में रहने वाले मराठी भाषा और साहित्य के प्रति कितना आदर-भाव रखते हैं। अपनी भाषा की क्षमता में विश्वास का एक पैमाना यह भी है कि हमारे शिक्षण-संस्थानों में मराठी भाषा में क्या और कितना पढ़ाया जा रहा है; हम में से कितने गर्व से यह कह सकते हैं कि मेरे बच्चे मराठी या गुजराती या बांग्ला या कन्नड़ज माध्यम के स्कूल में पढ़ रहे हैं? आज तो स्थिति यह है कि मुंबई से लेकर महाराष्ट्र के गांव-खेड़े तक में अंग्रेजी माध्यम के स्कूल खुल गये हैं और उनके साथ यह जोड़ा जाना भी ज़रूरी हो गया है कि यह 'इंटरनेशनल स्कूल' है! इस इंटरनेशनल का क्या मतलब है, मैं नहीं जानता, पर इतना अवश्य जानता हूं कि आज़ादी से पहले हम अंग्रेजों के गुलाम थे, अब अंग्रेजी के गुलाम हो गये हैं। यह बीमार मानसिकता है। इससे उबरना ही होगा।

साभार:(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

भगवान महावीरः भारतीय संस्कृति का सूरज

■ ललित गर्ग

प्रत्येक वर्ष हम भगवान महावीर की जन्म-जयन्ती मनाते हैं। महावीर जयन्ती मनाने का अर्थ है महावीर के उपदेशों को जीवन में धारण करने के लिये संकल्पित होना, महावीर बनने की तैयारी करते हुए देश एवं दुनिया में अहिंसा, शांति, करूणा, प्रेम, सह-जीवन को साकार करना। शांतिपपूर्ण, उन्नत एवं संतुलित समाज निर्माण के लिए जरूरी है महावीर के बताये मार्ग पर चलना। सफल एवं सार्थक जीवन के लिये महावीर-सी गुणात्मकता को जन-जन में स्थापित करना। कोरा उपदेश तक महावीर को सीमित न बनाएं, बल्कि महावीर को जीवन का हिस्सा बनाएं, जीवन में ढालें। भगवान महावीर एक युग प्रवर्तक, कालजयी महापुरुष थे। उन्होंने एक क्रांति द्रष्टा के रूप में मानवजाति के हृदय में नवीन चेतना का संचार अपने जीवन-अनुभवों, उपदेशों, शिक्षा और सिद्धांतों के द्वारा किया। भगवान महावीर सामाजिक क्रांति के शिखर पुरुष थे, वे भारतीय संस्कृति का सूरज हैं। महावीर का दर्शन अहिंसा, शांति और समता का ही दर्शन नहीं है बल्कि क्रांति का दर्शन है। व्यक्तिगत एवं समाजिक क्रांति के संदर्भ में उनका जो अवदान है, उसे उजागर करना वर्तमान युग की बड़ी अपेक्षा है। ऐसा करके ही हम दुनिया में युद्ध, हिंसा, आतंक, आर्थिक प्रतिस्पर्धा, तनाव को समाप्त कर एक उन्नत, शांतिपूर्ण, स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकेंगे।

महावीर जन्म से ही अतीन्द्रिय ज्ञानी थे। उन्होंने कहा तुम जो भी करते हो- अच्छा या बुरा, उसके परिणामों के तुम खुद ही जिम्मेदार हो। अपने ज्ञान से उन्होंने प्राणी मात्र में चैतन्य की धारा प्रवाहित की। अक्सर वे कहा करते थे- सुख-दुख के तुम स्वयं सर्जक हो। भाग्य तुम्हारा हस्ताक्षर है। मां को फूलों से सजते देख धीरे से बोल उठे-मां! देखो ये फूल रो रहे हैं। उन्होंने लहलहाती दूब पर चलने की मां की मनुहार को भी ठुकरा दिया। मां! इस दूर्वा की सिसकियां मेरे प्राणों में सिहरन पैदा कर रही हैं। मैं भला कैसे अपने पैरों से रौंदने का साहस करूंड़ क्षणिक स्पर्श सुख के लिए किसी को परितापित करना क्या उचित है मांड़ उनकी करुणा एवं सूक्ष्म अहिंसा के सामने मां मौन थी। मन ही मन अपने लाडले की महानता के सामने नत थी। कभी किसी निरपराध अभावग्रस्त व्यक्ति की दासता उनके कोमल दिल को कचोट जाती तो कहीं अहं और दर्प में मदहोश सत्तासीन व्यक्तियों का निर्दयतापूर्ण करूर व्यवहार उनके मृदु मानस को आहत कर देता। महावीर घण्टों-घण्टों तक इन समस्याओं का समाधान पाने चिंतन की डुबकियों में खो जाते। तीस वर्ष की युवावस्था में सहज रूप से प्राप्त सत्ता वैभव और परिवार को सर्प कंचुकीवत् छोड़ साधना के दुष्कर मार्ग पर सत्य की उपलब्धि के लिए दृढ़ संकल्प के साथ चल पड़े। साधिक बारह वर्ष तक शरीर को भुला अधिक से अधिक चैतन्य के इर्द-गिर्द आपकी यात्र चलती रही। ध्यान की अतल गहराइयों में डुबकियां लगाते हुए सत्य सूर्य का साक्षात्कार हुआ। वे जिस दिन सर्वज्ञ व सर्वदर्शी बन गये वह पावन दिन था वैशाख शुक्ला दशमी।

महावीर ने आकांक्षाओं के सीमाकरण की बात कही। उन्होंने कहा मूर्च्छा परिग्रह है उसका विवेक करो। आज की समस्या है- पदार्थ और उपभोक्ता के बीच आवश्यकता और उपयोगिता की समझ का अभाव। उपभोक्तावादी संस्कृति महत्वाकांक्षाओं को तेज हवा दे रही है, इसीलिए जिंदगी की भागदौड़ का एक मकसद बन गया है- संग्रह करो, भोग करो। महावीर का दर्शन था खाली रहना। इसीलिए उन्होंने जन-जन के बीच आने से पहले, अपने जीवन के अनुभवों को बांटने से पहले, कठोर तप करने से पहले, स्वयं को अकेला बनाया, खाली बनाया। तप तपा। जीवन का सच जाना। फिर उन्होंने कहा अपने भीतर कुछ भी ऐसा न आने दो जिससे भीतर का संसार प्रदूषित हो। न बुरा देखो, न बुरा न सुना, न बुरा कहो। यही खालीपन का संदेश सुख, शांति, समाधि का मार्ग है। दिन-रात संकल्पों-विकल्पों, सुख-दुख, हर्ष-विषाद से घिरे रहना, कल की चिंता में झुलसना तनाव का भार ढोना, ऐसी स्थिति में भला मन कब कैसे खाली हो सकता हैड़ कैसे संतुलित हो सकता हैड़ कैसे समाधिस्थ हो सकता हैड़ जो आज को जीना सीख लेता है, समझना चाहिए उसने मनुष्य जीवन की सार्थकता को पा लिया है और ऐसे मनुष्यों से बना समाज ही संतुलित हो सकता है, स्वस्थ हो सकता है, समतामूलक हो सकता है।

हर युग की अपनी समस्याएं होती हैं। वर्तमान की भी अपनी समस्याएं हैं। आदमी सदा अपनी समस्या का समाधान खोजता है और खोजता रहा है। तो क्या समस्या भी वर्तमान की और समाधान भी वर्तमान का, यही पर्याप्त है या इसके सिवाय दूसरा भी कोई विकल्प हमारे सामने हैड़ मैंने पड़ा अमेरिका की एक पत्रिका 'टाइम्स' में कि अब सिंगापुर, चीन आदि में कंफ्यूशियस को फिर लाया जा रहा है। यानी कि वर्तमान समस्या का समाधान अतीत में खोजने का प्रयत्न किया जा रहा है। हमें महावीर को समझना है तो शाश्वत और अशाश्वत दोनों को समझना होगा। अतीत और वर्तमान, दोनों को समझना होगा। महावीर ने सापेक्षता का दर्शन दिया। हर आदमी एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है। न केवल आदमी बल्कि प्रत्येक पदार्थ एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है। हमारी विचार-तरंगें, हमारी वाणी की तरंगे, संसार की तरंगों से जुड़ी हुई हैं। सारा विश्व एक शृंखला में जुड़ा हुआ है। इसी आधार पर आचार्य उमास्वामी ने लिखा था-'परस्परोपग्रहो जीवानाम्', जीव का स्वभाव है एक-दूसरे का आलंबन बनना, सहारा बनना। यह 'स्ट्रंगल फार सरवाइवल' या 'स्ट्रगल फॉर एक्जिसटेंस' वाली बात अहिंसा के क्षेत्र में मान्य नहीं हो सकती। आज की यह विचारधारा बन गई है कि 'या मैं या तुम'। दोनों साथ नहीं चल सकते। संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना इसीलिए हुई कि विरोधी विचारधारा वाले राष्ट्र भी एक साथ रह सकें, विकास कर सकें। डॉ. राधाकृष्णन ने भगवान महावीर के बारे में कहा था-आज यह जो पूरा लोकतंत्र जीया जा रहा है, महावीर के आधार पर जीया जा रहा है। वर्तमान की समस्या के समाधान के लिए हमारी दृष्टि वर्तमान पर ही न रहे, वह पीछे की ओर भी जाए। अतीत में भी हमारी समस्या के बहुत से समाधान छिपे हुए हैं। उनका साक्षात्कार करें। इसी से हमारा नया जन्म होगा।

भगवान महावीर हिंदुस्तान के महान सपूत थे। महावीर की अहिंसा में क्रमिक विकास के लिए अवकाश है। मुनि के लिए उन्होंने अहिंसा के महाव्रत का विधान किया। किंतु गृहस्थ के लिए अहिंसा के अणुव्रत का विधान है। लोकतंत्र की आधारभूमि अहिंसा और अनेकांत है। लोकतंत्र के नायकों में सबको विकास का समान अवसर देने व दूसरों के विचारों के प्रति न्याय करने की भावना प्रबल होने पर ही वह सफल होता है, अन्यथा नहीं। महावीर संयम-प्रधान व्यक्ति थे। वैसे तो संयम भारतीय साधना का सामान्य तत्त्व है। महावीर ने उसे अपनी साधना में मुख्य स्थान दिया था। उन्होंने अहिंसा को इसी संदर्भ में स्वीकार किया कि वस्तुतः अपना संयम करना ही अहिंसा है। महावीर का एक महत्वपूर्ण संदेश है 'क्षमा'। भगवान महावीर ने कहा कि 'खामेमि सव्वे जीवे, सव्वे जीवा खमंतु मे, मित्ती में सव्व भूएसू, वेर मज्झं न केणई'। अर्थात् 'मैं सभी से क्षमा याचना करता हूं। मुझे सभी क्षमा करें। मेरे लिए सभी प्राणी मित्रवत हैं। मेरा किसी से भी वैर नहीं है। यदि भगवान महावीर की इस शिक्षा को हम व्यावहारिक जीवन में उतारें तो फिर क्रोध एवं अहंकार मिश्रित जो दुर्भावना उत्पन्न होती है और जिसके कारण हम घुट-घुट कर जीते हैं, वह समाप्त हो जाएगी।

भगवान महावीर एक कालजयी और असांप्रदायिक महापुरुष थे, जिन्होंने अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांत को तीव्रता से जीया। वे इस महान त्रिपदी के न केवल प्रयोक्ता और प्रणेता बने बल्कि पर्याय बन गए। जहां अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांत की चर्चा होती है वहां भगवान महावीर का यशस्वी नाम स्वतः ही सामने आ जाता है। महावीर के दर्शन के प्रकाश में हमें अपने आपको परखना है व अपने कर्तव्य को समझना है। तभी हम उस महापुरुष के श्रीचरणों में सच्ची श्रद्धांजलि समर्पित करने में सफल हो सकेंगे। महावीर के उपदेश जीवनस्पर्शी हैं जिनमें जीवन की समस्याओं का समाधान निहित है। भगवान महावीर चिन्मय दीपक हैं। यदि हमें महावीर बनना है तो पल-पल उनका चिंतन करना अपेक्षित है। यह महावीर जयंती की सार्थकता है और इसी से हम महावीर बनने की दिशा में अग्रसर हो सकते हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

संसार में गऊ बनने से काम नहीं चलता, जितना दबोगे उतना ही लोग दबाते हैं।

- प्रेमचन्द

आज का इतिहास

- 1827- भारतीय समाजसुधारक ज्योतिबा फुले का जन्म।
- 1869- महात्मा गांधी की पत्नी कस्तूरबा गांधी का जन्म।
- 1887- भारतीय कलाकार जामिनी रॉय का जन्म।
- 1919- अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की स्थापना।
- 1921- रेडियो पर खेलों की पहली लाइव कमेंट्री का प्रसारण किया गया।
- 1930- ऋषिकेश में इस्पात की तारों से बना 124 मीटर का झूलने वाला पुल जनता के लिए खोला गया। इसे लक्ष्मण झूला का नाम दिया गया।
- 1937- भारतीय टेनिस खिलाड़ी रामनाथन कृष्णन का जन्म।
- 1946- भारतीय फ़िल्म अभिनेता नवीन निश्चल का जन्म।
- 1951- थिएटर और टेलीविजन अदाकारा रोहिणी हतंगडी का जन्म।
- 1964- भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी दो हिस्सों में विभाजित।
- 1970- अमेरिका का अपोलो 13 अंतरिक्ष यान चंद्र अभियान पर रवाना।
- 1976- स्टीव वाजनेक का पहला एपल-1 कंप्यूटर जारी।
- 1983- बेन किंग्सले की फिल्म गांधी को आस्कर अवार्ड मिला।

निशाना

आग जो है लगी !

-कृष्णेन्द्र राय

हो रही है हिंसा ।
लगती ना लगाम ।।
आगजनी तोड़फोड़ ।
हैं बातें तमाम ।।
आग जो है लगी ।
हवा देना जारी ।।
क्या कुछ अंदरखाने ?
चल रही तैयारी ।।
पत्थरबाजी ना रूकी ।
अफरातफरी काल ।।
हाथ में कानून लिया ।
उठ रहे सवाल ।।
धरना और प्रदर्शन ।
है सबका अधिकार ।।
शक की सुई घूम रही ।
हुआ जिस प्रकार ।।

खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की समीक्षा बैठक संपन्न

ई-केवाईसी प्रक्रिया अभियान मोड में चलाने के प्रमुख सचिव ने दिए निर्देश

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, मध्य प्रदेश शासन की प्रमुख सचिव श्रीमती रश्मि अरुण शमी की अध्यक्षता में प्रदेश के समस्त जिला कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में चल रही उपार्जन प्रक्रिया तथा पात्रता पर्ची हितग्राहियों के ई केवाईसी की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में प्रमुख सचिव ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा 1 मई 2025 से स्मार्ट पीडीएस प्रणाली लागू की जा रही है। इस प्रणाली के अंतर्गत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत पात्रता पर्ची धारकों को केवल ई-केवाईसी पूर्ण करने के पश्चात ही राशन वितरित किया जाएगा।

प्रमुख सचिव ने सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देशित किया कि 30 अप्रैल 2025 तक शत-प्रतिशत पात्रता पर्ची धारकों का ई-केवाईसी कार्य पूर्ण कराया जाए। इसके लिए जिला स्तर पर विशेष अभियान चलाया जाए और सुनियोजित कार्य योजना के तहत कार्य किया जाए।

प्रमुख सचिव ने कहा कि इस कार्य हेतु प्रत्येक जिले में ई-केवाईसी दल का गठन किया जाए, जिसमें पंचायत सचिव, रोजगार

सहायक, वार्ड प्रभारी और विक्रेता को दल सदस्य के रूप में शामिल किया जाए। साथ ही, दल के सभी सदस्यों को आवश्यक प्रशिक्षण भी दिलवाया जाए ताकि कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। प्रमुख सचिव ने यह भी निर्देश दिए कि अभियान के दौरान स्थानीय स्तर पर मृत, पलायन कर चुके एवं डुप्लीकेट सदस्यों की पहचान कर उनका डाटा पोर्टल पर विलोपित किया जाए। इसके साथ ही, ई-केवाईसी प्रक्रिया की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी कलेक्टर्स जिला स्तर से अनुविभागी अधिकारियों को उक्त संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश जारी करें।

इसी प्रकार प्रदेश में उपार्जन प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए प्रमुख सचिव ने गेहूं खरीदी में गति लाए जाने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव ने निर्देशित किया कि आगामी एक दिवस में सभी प्रस्तावित उपार्जन केंद्रों को सक्रिय किया जाए, ताकि किसानों को सुविधा मिल सके। साथ ही, आवश्यकता पड़ने पर कृषि उपज मंडियों में भी उपार्जन केंद्रों की स्थापना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि उपार्जन केंद्रों पर स्लॉट बुकिंग के आधार पर ही खरीदी की जाए और तौल कांटों की पर्याप्त व्यवस्था, छाया, पेयजल आदि मूलभूत सुविधाएं किसानों के लिए सुदृढ़ रूप से उपलब्ध कराई जाएं। प्रमुख सचिव ने कलेक्टर्स को यह भी निर्देश दिए कि पंजीयन की तुलना में स्लॉट बुकिंग की संख्या में वृद्धि सुनिश्चित की जाए और किसानों द्वारा पंजीयन उपरांत स्लॉट बुकिंग किए जाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने यह निर्देश भी दिए कि कि उपार्जित फसल का यथाशीघ्र परिवहन कराया जाए और स्वीकृति पत्रक का समय पर जारी किए जाए। बैठक के दौरान प्रमुख सचिव द्वारा यह निर्देश भी दिए गए कि यदि किसी प्रकार की तकनीकी समस्या आती है, तो विभागीय टेक्निकल टीम से समन्वय कर तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए। वेंडर फेल्योर के मामलों का विश्लेषण करते हुए प्रमुख सचिव ने सभी कलेक्टर्स से कहा कि प्रभावित कृषकों से संपर्क कर बैंक खातों को आधार से लिंक कराया जाए और भुगतान प्रक्रिया शीघ्र पूरी कराई जाए। उन्होंने सभी जिला कलेक्टरों को निर्देशित किया कि वे अपने जिलों में उपार्जन प्रक्रिया में अपेक्षित गति और गुणवत्ता सुनिश्चित करें ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में कमिश्नर कार्यालय के एनआईसी कक्ष में संभागायुक्त नर्मदापुरम कृष्ण गोपाल तिवारी, उपायुक्त राजस्व गणेश जायसवाल एवं संयुक्त आयुक्त विकास जीसी दोहर उपस्थित रहे।

युवा संगम रोजगार एवं स्वरोजगार मेले में 126 का किया गया चयन

नर्मदापुरम। बुधवार को कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय नर्मदापुरम में एक दिवसीय युवा संगम रोजगार एवं स्वरोजगार मेला का अयोजन किया गया।

जिसमें मुख्य नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति नीतू यादव एवं मंडल अध्यक्ष रूपेश राजपूत ने सरस्वती पूजन कर मेले का शुभारंभ किया एवं रोजगार एवं स्वरोजगार हेतु छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित किया एवं रोजगार एवं स्वरोजगार मेले के बारे में जानकारी प्रदान की एवं विशाल दीवान भी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि द्वारा रोजगार एवं स्वरोजगार मंच से ऑफर लेटर एवं स्वरोजगार योजन अतर्गत ऋण वितरण कराया गया। जिला रोजगार अधिकारी डॉ ऐ.बी. खान एवं धर्मेश तिवारी द्वारा रोजगार मेला में अहम भूमिका निभाई गई। जिसमें पॉलिटेक्निक प्राचार्य डॉ पीसी नरवरे एवं महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र कैलाश माल एवं आरआर चंद्राकर एवं भगवान सिंह राजपूत एवं समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। रोजगार मेला में कुल उपस्थित आवेदक 166 में से कपनी प्रतिनिधि द्वारा 121 प्राथमिक चयन किया गया एवं स्वरोजगार आवेदक 05 को लाभान्वित किया जिसमे रोजगार एवं स्वरोजगार द्वारा कुल 126 युवाओ एवं युवतिओं को लाभान्वित किया गया। रोजगार मेला में शासकीय विभाग से जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग, सहायक संचालक सहायक संचालक मध्यप्रदेश पिछडा वर्ग तथा अल्प संख्या कल्याण विभाग, परियोजना अधिकरी गरीय विकास एवं आवास विभाग एवं निजि क्षेत्र में ट्राइडेंट (बुदनी), नहर (मंडीदीप), जेड प्लस एकेडमी (नर्मदापुरम), क्रेस कोर्प (भोपाल), यशस्वी एकेडमी (भोपाल), भारत फाइनेंशियल इनक्लूजन लिमि., नवकिसान बायोटेक, कौशल विकास केंद्र (जबलपुर), भारतीय जीवन बीमा, पुखराज, स्क्वेर सिक्योरिटी, आई.सी.आई.सी आई बैंक, ऐक्सिस बैंक, कोल्टिंग एण्ड डिजाइन, शिवशक्ति एग्रीटेक लिमिटेड भोपाल, पुष्कल एग्रीटेक लिमिटेड, नव भारत फर्टीलाजर्स, गेकलदास एक्सपोर्ट, एस.बी.आई. लाईफ इंश्योरेंस, आयशर, मेस्का, एनआईआईटी, पूजा ग्रुप, ऐम.आई.सी. रोजगार दिलाने वाली कंपनियां शामिल रही।

किसान और मंडी व्यापारियों की सुरक्षा के लिए कमलनाथ बिग्रेड ने दिया ज्ञापन

गंजबासौदा। कमलनाथ बिग्रेड के साथियों ने किसान और मंडी के व्यापारियों की सुरक्षा को को लेकर एक ज्ञापन एसडीओपी कार्यालय में दिया है जिसमें कहा गया है कि सीजन के समय मंडी में आवक बढ़ जाती है जिससे कई बार तुलाई के दौरान जाम की स्थिति बन जाती है और जायदा भीड़ होने से किसानों और व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार किसानों और व्यापारियों के साथ घटना भी घट चुकी है। कमलनाथ ब्रिगेड ने ज्ञापन में एसडीओपी से किसान भाइयों एवं मंडी व्यापारी की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा कर्मियों की मंडी प्रांगण में गस्त बढ़ाई जाए जिससे उनको किसी प्रकार की कोई परेशानी का सामना न करना पड़े। ज्ञापन में ब्लॉक अध्यक्ष प्रकाश मिश्रा,नगर अध्यक्ष अदनान भाई, वरिष्ठ कांग्रेसी बाबू पिंगले, कमलनाथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष अमित मेहता, जगदीश व्यास, बीडी शर्मा, उमेश सोनी, प्रदीप चौकसे, लाला राम चंदेल, सहित कमलनाथ ब्रिगेड के सदस्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत कई पंचायतों में हुए आयोजन

गंजबासौदा। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विकासखंड की ग्राम पंचायतों में विशेष रूप से उक्त अभियान अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके तहत त्योंदा ग्राम पंचायत में तालाब की सफाई की गई। तालाब का कचरा हटाया गया। उदयपुर की एक ऐतिहासिक बावड़ी की जन भागीदारी एवं अधिकारियों कर्मचारियों की मदद से साफ सफाई कराई गई। मुरादपुर के तालाब में ग्रामवासियों के सहयोग से सफाई कराई गई, पूजा की सामग्री के कचरे का नियोजित तरीके से जमा करने की व्यवस्था बनाई गई और सीढ़ियां बनाने की नींव रखी गई । वहीं कुल्हार में ग्रामीणों द्वारा वीरेंद्र शर्मा आदि की मदद से जो जंगल विकसित किया गया है। उसमें तालाब के जीर्णोद्धार का एसडीएम विजय राय की अगुआई में भूमि पूजन व व्रक्षारोपण किया गया। आज के इस अभियान में जनपद सीईओ भगवान सिंह के साथ विकासखंड में कार्यरत अन्य अधिकारी, कर्मचारी और ग्रामवासियों की उपस्थिति रही ।

संगोष्ठी में जलाशयों की साफ-सफाई और संरक्षण की नागरिकों ने ली शपथ

नर्मदापुरम। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, जिला नर्मदापुरम द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विकासखंड सोहागपुर के ग्राम पथराई परसवाड़ा में स्थित सिद्ध महाराज के पास जलाशय की सफाई कर एक जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों को बताया गया कि जल को स्वच्छ रखने एवं उसके संवर्धन के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। जलाशयों की सफाई और संरक्षण न केवल पर्यावरण संतुलन के लिए आवश्यक है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी जल संसाधनों का संरक्षण अत्यंत जरूरी है। इस अवसर पर जन अभियान परिषद से जुड़े नवांकुर और मेंटर्स की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम में नवरंग युवा मंडल समिति के प्रमुख संदेश मिश्रा, मेंटर सचिन विश्वकर्मा, निशा चौरसिया, एमएसडब्ल्यू व बीएसडब्ल्यू छात्र-छात्राएं शिवानी, भूमि धोरे, आयुषी, प्रमोद टेकाम, सीमा चौरसिया, सिद्धेश्वर परसाई सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

राजू राय बने मध्य प्रदेश जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा के जिला अध्यक्ष

सिवनी मालवा। मध्य प्रदेश जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा राष्ट्रीय नेतृत्व की अनुशंसा पर महासभा प्रदेश अध्यक्ष सुभाष जायसवाल ने कल्चुरी समाज के सक्रिय समाजसेवी कल्चुरी सेना प्रदेश उपाध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद नर्मदा पुर जिले के जिला धर्म यात्रा महासंघ प्रमुख राजू राय को नर्मदा पुर जिले का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस अवसर पर उनके साथियों और इष्ट मित्रो ने बधाई दी है।

महावीर जयंती की पूर्व बेला पर निकली अहिंसा वाहन रैली

गंजबासौदा। अहिंसा के प्रवर्तक एवं जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के जन्म महोत्सव की पूर्व वेला पर सकल जैन समाज द्वारा नगर में विशाल अहिंसा वाहन रैली का आयोजन किया गया। जो कि नगर के त्योंदा रोड स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर रोड से प्रारंभ हुई। वाहन रैली के आगे ध्वनि विस्तार यंत्र के माध्यम से मधुर भजन चल रहे थे और पीछे पीछे युवा अपने दो पहिया वाहनों पर क्रमबद्ध धर्म ध्वजा लेकर चलते नजर आए। वाहन रैली त्योंदा रोड से प्रारंभ होकर जय स्तंभ, हनुमान चौक सावरकर चौक से तिरंगा बाईपास, बरेठ रोड से बेहलोट रोड होते हुए स्टेशन से महावीर विहार पहुंची। वाहन रैली में युवाओं एवं पुरुषों के साथ साथ बड़ी संख्या में मातृशक्ति भी शामिल हुई। विश्व में अहिंसा,शांति और सद्भाव फैले इस उद्देश्य से वाहन रैली का आयोजन किया गया।

एसडीएम के नेतृत्व में राजस्व और पुलिस की टीम ने कार्यवाही की

अमलाडा डोंगर में 51 लाख की 3 हेक्टेयर खेल भूमि प्रशासन ने अतिक्रमण मुक्त कराई

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

सरकारी स्कूलों के साथ खेल मैदान के लिए राजस्व अभिलेख में आरक्षित खेल भूमि से अतिक्रमण हटाने के अभियान के अंतर्गत मंगलवार को एसडीम श्रीमती सरोज परिहार के नेतृत्व में राजस्व और पुलिस टीम द्वारा तीन हेक्टयर भूमि से अतिक्रमण हटाया गया।

राजस्व अधिकारी ने बताया कि अमलाडा डोंगर पटवारी हल्का नंबर 55 शासकीय भूमि खसरा नंबर 50/2 रकबा 3.00 हेक्टयर भूमि खेल मैदान के लिए राजस्व अभिलेखों में ग्राम पंचायत अमलाडा डोंगर के नाम से दर्ज है । इस भूमि पर मदन लाल, रमेश, दिनेश ने

अस्थाई निर्माण एंव फसल बोकर अतिक्रमण किया गया था । राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने अतिक्रमण हटाया । अतिक्रमण मुक्त कर यह भूमि अमलाडा डोंगर की ग्राम पंचायत के सुपुर्द की गई । गाइडलाइन के अनुसार इस भूमि की कीमत करीब 51 लाख रुपए है ।

एसडीएम श्रीमती सरोज परिहार के नेतृत्व में तहसीलदार नितिन राय, प्रभारी तहसीलदार श्री सोलंकी, नायब तहसीलदार श्रीमति कीर्ति प्रधान, राजस्व निरीक्षक खपरिया, पटवारी एंव ग्राम कोटवार, थाना प्रभारी अनुप सिंह उईके एंव गठित पुलिस दल उपस्थित था ।

विधायक ने नवनिर्मित खेल स्टेडियम का किया निरीक्षण

अगस्त माह तक बनकर तैयार हो जाएगा खेल मैदान

बच्चों के लिए खेल मैदान शीघ्र तैयार हो जाना चाहिए : हरिसिंह रघुवंशी

गंजबासौदा , दोपहर मेट्रो

ग्राम रजौदा में बन रहे नवनिर्मित खेल स्टेडियम का बुधवार को क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रघुवंशी द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिला खेलकूद कल्याण विभाग के अधिकारी एवं तहसीलदार संदीप जयसवाल भी मौके पर मौजूद रहे। विधायक ने खेल स्टेडियम की जानकारी लेते हुए अधिकारियों से पूछा कि यह कब तक पूर्ण हो जाएगा और शहर के खेल प्रेमी इसका उपयोग कब कर सकते हैं। जिला खेलकूद विभाग के अधिकारी ने बताया कि अभी हम मिट्टी डालकर ग्राउंड तैयार कर रहे हैं। जिस पर ग्रीन घास लगाई जाएगी। इसके बाद हम रनिंग ट्रैक पर भी कार्य करेंगे लगभग तीन से चार महीने में यह कार्य पूर्ण हो

जाएगा। और स्टेडियम में खेलने संबंधी गतिविधियों को भी हम सुचारू रूप से जारी कर सकेंगे। खेल मैदान के पास बने हुए इंडोर स्टेडियम का भी विधायक द्वारा निरीक्षण किया गया।

खेलकूद कल्याण विभाग के अधिकारियों द्वारा अभी कार्य होना शेष बताया गया है। लेकिन ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण का शिविर मई माह में लगाया जाना है। इससे पहले यहां पर तैयारियां पूरी कर ली जाएगी। और मई माह तक इंडोर स्टेडियम प्रारंभ हो जाएगा। और इस दौरान विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने खेल स्टेडियम के निर्माण में आ रही परेशानियों को अधिकारियों से जाना। जिला खेल अधिकारी रावत ने बताया कि यहां पर सुरक्षा और सफाई की कमी है और बाउंड्री वॉल और ट्रैक पर दौड़ने के लिए जो मिट्टी उपयोग में की जाती है वह बजट के अभाव में कार्य नहीं कर पा रहे है। विधायक ने जिला अधिकारी से कहा कि आप मुझे जानकारी दें मैं खेलकूद कल्याण विभाग के मंत्री से मिलकर हम बजट लाने का कार्य करेंगे और यदि विभाग में बजट की कमी बनती है तो मैं अपनी विधायक निधि से 25 लाख रुपए उक्त कार्य के लिए स्वीकृत कर दूंगा। बच्चों के लिए खेल मैदान शीघ्र तैयार होना चाहिए। जिला खेलकूद अधिकारी रावत ने बताया कि हर ब्लॉक में एक स्टेडियम तैयार कराया गया है बासौदा ब्लॉक में इंडोर और आउटडोर दोनों ही स्टेडियम स्वीकृत हुए हैं और इतने बड़े स्तर पर मैदान किसी भी ब्लॉक में स्वीकृत नहीं हुए।

गेहूं उपार्जन के लिए किसानों की सुविधा हेतु व्यापक व्यवस्थाएं

नर्मदापुरम। मध्य प्रदेश शासन द्वारा गेहूं उपार्जन के सुचारू संचालन एवं किसानों की सुविधा के लिए अनेक आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। किसानों को उपार्जन प्रक्रिया में कोई असुविधा न हो, इसके लिए शासन द्वारा तकनीकी एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं को और अधिक सरल एवं प्रभावी बनाया गया है। किसान के पंजीयन और गिरदावरी में दर्ज फसल में कोई भिन्नता पाई जाती है, तो किसान 15 अप्रैल 2025 तक दावा-आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

यह सुविधा किसानों को पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ उपार्जन प्रक्रिया में सहभागी बनाने हेतु प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त, किसानों को आंशिक मात्रा में स्लॉट बुकिंग एवं उपज विक्रय की सुविधा भी दी गई है, जिससे वे अपनी सुविधा अनुसार फसल विक्रय कर सकें।

मेट्रो एंकर टाइगर रिजर्व में आग भड़कने की घटनाएं, टाइगर रिजर्व की झापन रेंज के जंगलों में आग लगने की घटना, वन संपदा का हो रहा नुकसान

वृक्ष व जीव हो रहे खाक, संसाधनों की कमी से बेबस टाइगर रिजर्व का अमला

विशाल रजक तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

गर्मी का मौसम शुरू होते ही जंगलों में आग लगने का सिलसिला भी शुरू हो गया टाइगर रिजर्व क्षेत्र में आग लगने के कई मामले सामने आ रहे हैं इस आग से जंगल में लगे वनस्पति पेड़ पौधे छोटे जीव-जंतु आदि जल जाते हैं अज्ञात कारणों से लगी आग तेज हवाओं के कारण विकराल होती जाती है और जंगल के एक बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लेती है तेज हवाओं के कारण वन अमले को आग बुझाने में भी कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है जंगल में आग लगने से कई वन्य जीवों के रहवास भी प्रभावित हो जाते हैं गर्मी के समय अक्सर जंगली क्षेत्रों में आग लगने की घटनाएं सामने आना स्वाभाविक बात नहीं लेकिन यहां पर सबसे अधिक परेशानी यह है कि आग लगने के बाद उस पर काबू पाने के लिए वन विभाग के पास पर्याप्त साधन उपलब्ध नहीं हो पाते हैं ऐसे में काफी समय बाद आग पर काबू पाया जाता है जिससे काफी नुकसान होता है

टाइगर रिजर्व के जंगल में लगी आग

मंगलवार को टाइगर रिजर्व के

अनदेखी - तेज हवा के कारण अमले को आग बुझाने में दिक्कत

झापन रेंज के जंगल में आग लगने का मामला सामने आया है जहां पर दो से चार हेक्टेयर के जंगल में आग लगने से पेड़ पौधों जलकर खाक हो गए हैं और कई जीव-जंतु व रेंगने वाले आदि जलकर खाक हो चुके हैं लोगों का आरोप है कि आगजनी की घटनाओं के बाद भी टाइगर रिजर्व का अमला जंगलों की सुरक्षा के प्रति गंभीर दिखाई नहीं दे रहा है सूत्रों द्वारा

खबर है कि टाइगर रिजर्व के जंगलों में कई स्थानों पर आगजनी की घटनाएं सामने आ चुकी है इसी तरह झापन रेंज जो टाइगर रिजर्व में आता है इस रेंज के जंगलों में मंगलवार की भीषण आग लगने से हजारों पेड़ पौधे जलकर नष्ट हो गए हैं साथ ही देर-रात तक टाइगर रिजर्व के जंगल में आग की लपटे दिखाई देने की आसपास के ग्रामीणों ने बात की है इस संबंध में जब झापन रेंज के प्रभारी रेंजर नीरज विसेन से बात करने फोन लगाया गया तो उन्होंने रिसीव नहीं किया

इन कारणों से भड़कती है आग

जानकार बताते हैं कि गर्मियां शुरू होते ही ग्रामीण जंगलों से औषधि वनोपज के रूप में गोंद, तेंदुपत्ता, चिरोंजी, करोंदा और महुआ इकट्ठा करने पहुंचते हैं। भूल और नासमझी के चलते उनके द्वारा बीड़ी या माचिस की तीली छोड़ दी जाती है। जिनके सूखी पत्तियों के संपर्क में आने से आग भवक जाती है। जंगलों में तापमान बढ़ने के दौरान सूखे बांस आपस में रगड़ने से निकलने वाली चिंगारियां पत्तों पर गिरकर आग के रूप में बदल जाती है और हवा इन्हें आसपास के क्षेत्र में फैलाने में मददगार बनती है। सागौन के वृक्षों से जमीन पर गिरे बीज सख्त खोल में बंद होते हैं। वन विभाग के कर्मचारी इन्हें कमजोर करने के लिए चिन्हित क्षेत्र में आग लगाते हैं। खोल जलने से कमजोर हो जाता है और बारिश में इनसे अंकुरण होता है। अक्सर तेज हवा और वनकर्मियों की अनदेखी की वजह से आग जंगल में फैल जाती है।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत ग्रामीणों की केवाईसी के लिए अभियान 30 तक : कलेक्टर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा अपर मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के माध्यम से एनएफएसए (राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013) के अंतर्गत समस्त पात्र हितग्राहियों के ईकेवायसी किए जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने आदेश जारी कर पात्रता धारी हितग्राहियों के ईकेवाईसी किए जाने हेतु 30 अप्रैल तक अभियान के रूप में इस कार्य को करने के लिए संबंधित जनपदों व नगरीय निकाय के अधिकारियों को ईकेवाईसी की कार्यवाही पूर्ण करने हेतु निर्देशित

कलेक्टर ने आदेश जारी कर ई-केवाईसी की कार्यवाही पूर्ण करने दिए निर्देश

किया है।

जारी आदेश में उल्लेखित है कि 30 अप्रैल 2025 तक ई-केवायसी करने का विशेष अभियान चलाया जाए। ई-केवायसी से शेष हितग्राहियों की सूची पीओएस मशीन, स्थानीय निकाय, जेएसओ लॉगिन पर उपलब्ध है, जिसका प्रिन्ट निकाल कर ग्राम पंचायत, वार्ड कार्यालय, उचित मूल्य दुकान पर प्रदर्शित कराय जाए। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा नगरीय प्रशासन विभाग के स्थानीय अमले को ई-केवायसी करने हेतु सहयोग लिया जाए।

अभियान के अंतर्गत उचित मूल्य दुकान के विक्रेता, ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक एवं वार्ड प्रभारी का दल गठित किया जाए। इस संबंध में दुकानवार आदेश जारी किए जाएं। ई-केवायसी करने हेतु गठित दल द्वारा ग्रामवार, मोहल्लावार केम्प लगाकर हितग्राहियों के ई-केवायसी किये जाएं एवं ग्राम में शेष समस्त हितग्राहियों के ई-केवायसी करने के उपरांत ही अन्य ग्राम, मोहल्ले में

केम्प आयोजित किए जाएं।

ई-केवायसी के दौरान परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु होने, स्थाई रूप से प्रवास पर जाने (विवाह आदि कारणों से) एवं डुप्लीकेट होने पर एम राशन मित्र पोर्टल पर स्थानीय निकाय के लॉगिन से विलोपन हेतु प्रविष्टी की जाएं। पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी कराने हेतु जागरूक करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

उपरोक्त निर्देशों के तहत 30 अप्रैल 2025 तक विशेष अभियान के तहत शेष हितग्राहियों के ई-केवायसी किये जाने हेतु संबंधित उचित मूल्य दुकान का विक्रेता एवं ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक एवं नगरीय क्षेत्र में वार्ड प्रभारी के रूप में दल का गठन किया जाता है। उक्त गठित दल शेष ई-केवायसी करने हेतु ग्रामवार, मोहल्ले वार केम्प लगाकर हितग्राहियों के ई-केवायसी किये जाएं।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व की अध्यक्षता में समस्त शासकीय उचित मूल्य दुकान विक्रेताओं एवं ग्राम पंचायत सचिव, वार्ड प्रभारी की बैठक आयोजित की जाए एवं अभियान के संबंध में अवगत कराया जाए। समस्त विक्रेताओं को घर-घर जाकर शेष सदस्यों की ईकेवायसी एवं मोबाईल सीडिंग किये जाने हेतु प्रतिदिन लक्ष्य अनुसार ई-केवायसी (न्यूनतम 20 हितग्राहियों के करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है) किये जाने हेतु निर्देशित किया जाए। इस कार्य में ग्राम पंचायत सचिव, वार्ड प्रभारी द्वारा अपेक्षित सहयोग किया जाएगा । शासकीय उचित मूल्य दुकानवार प्रतिदिन की प्रगति से संबंधित सहायक, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी द्वारा अनुविभागीय अधिकारी एवं जिला आपूर्ति अधिकारी को अवगत कराया जाए।

उक्त कार्य के संपूर्ण पर्यवेक्षण हेतु अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के स्तर से खाद्य विभाग के साथ ही पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा नगरीय प्रशासन विभाग के (स्थानीय) क्षेत्रीय अधिकारियों को कर्तव्यस्थ किया जाए। उपरोक्तानुसार अभियान की विकासखंडवार प्रतिदिन की प्रगति से जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा अधोहस्ताक्षरकर्ता को अवगत कराया जाना सुनिश्चित किया जाए।

विदिशा जिला पंचायत अध्यक्ष की अध्यक्षता में जिपं की सामान्य बैठक सम्पन्न

शासकीय आयोजनों में सदस्यों को ससम्मान आमंत्रित करें : रघुवंशी

सामान्य सभा की बैठक में जनहितैषी निर्णयों का शीघ्र पालन करे

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी की अध्यक्षता में जिपं की सामान्य बैठक बुधवार को सम्पन्न हुई। जिला पंचायत के सभागार में आयोजित इस बैठक में उपाध्यक्ष श्री दरयाब सिंह कुर्मी समेत अन्य सभी सम्माननीय सदस्यगण, जिला पंचायत सीईओ के अलावा विभिन्न विभागो के अधिकारी मौजूद रहे।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी ने सदस्यों की आपत्तियों को संज्ञान में लेते हुए सभी विभागो के जिलाधिकारियों से कहा है कि कार्यक्षेत्रो में जो भी शासकीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है तो उस क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य को आयोजन के पूर्व ससम्मान आमंत्रित करें। इसके लिए चाहे तो संबंधित सदस्य से जीवंत अथवा मोबाइल पर सम्पर्क कर सूचित कर सकते है।

ग्यारसपुर वार्ड नम्बर पांच की जिला पंचायत सदस्य ने आपत्ति दर्ज करते हुए बताया कि शाला में पहला कदम अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रमो की सूचनाएं व आमंत्रण दोनो प्राप्त नहीं होने के कारण अपने निर्वाचन क्षेत्र में सम्पन्न हुए इस प्रकार के आयोजनो में शामिल नहीं हो पाई हूं। अतः आयोजक को इस संबंध में शोकाज नोटिस जारी कर कारणो का पता लगाने के निर्देश जिला पंचायत सीईओ के द्वारा शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दिए गए है।

जिला पंचायत के सामान्य बैठक में सभी सदस्यों ने एक मत स्वर से आग्रह किया कि निजी स्कूलो में कक्षा एक से बारहवीं तक की ड्रेस एक ही प्रकार की रखी जाए ताकि ड्रेस खरीदने पर राशि वैसे पालकगण बच सकें। इसी प्रकार स्कूल शिक्षा विभाग से संबंधित सुझाव दिए गए कि सीबीएसई के माध्यम से स्कूलो में पढाई के दौरान हर स्कूल अपनी अलग-अलग किताबे संचालित कर रहा है जिससे इस प्रकार की विभिन्नता को जिले में समाप्त किया जाए ताकि सभी विद्यार्थियों को एक सा कोर्स पढने की सहूलियत होने से बौद्धिक शैक्षणिक प्रतिभाएं विकसित होने व प्रतिस्पर्धा में मदद मिलेगी।

पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना क्रियान्वयन की प्रशंसा

बैठक में आज प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना की जिला प्रभारी कीर्ति चैहान ने बताया कि विद्यार्थियों की राशि भोजन पकाने की दिसंबर माह से बढ़कर 6.19 पैसा एवं माध्यमिक के लिए 8.17 से 9.29 हो गई है। इस वर्ष उनकी योजना में लगातार खाद्यान्न का उठाव 100 प्रतिशत रहा। जिले में इस योजना के क्रियान्वयन के लिए प्रमुख सचिव द्वारा प्रशंसा पत्र भी प्रेषित किया गया है। उन्होंने बताया कि अन्य मदो में भी 100 प्रतिशत उपलब्धि रही है। बैठक में अनुरोध किया गया कि ग्रीष्मकालीन समय में सामान्य दिवसों से विद्यार्थियों की उपस्थिति कम हो गई है। इस हेतु सभी अपने स्तर से विद्यार्थियों व अभिभावकों को प्रोत्साहित करने हेतु अधीनस्थों को निर्देशित करें क्योंकि अच्छी उपस्थिति ही इस योजना का उद्देश्य है।

सदस्यो के द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत की स्कूलो सहित अन्य संस्थाओं के निरीक्षण दौरान शिक्षा अथवा विद्यार्थी अनुपस्थित पाए जाते है इसमें कसावट लाने के लिए जिला स्तर पर पहल की जाए। जिला पंचायत सीईओ ने सभी सदस्यों से कहा कि भ्रमण के दौरान निरीक्षण पंजी पर जानकारियां अंकित करें ताकि संबंधितों पर कार्यवाही कराया जाना सुनिश्चित हो।

सदस्यो के सुझाव पर अमल

जिला पंचायत की सामान्य बैठक में सभी सदस्यों ने एकमत स्वर से प्रस्ताव रखा कि जिले में खनन किए जाने वाले हेण्डपंपो के स्थलो की जानकारी जिला पंचायत सदस्य को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए वहीं जिला पंचायत सदस्यों के द्वारा बतलाए गए स्थलों पर भी नवीन हेण्डपंप खनन की प्रक्रिया क्रियान्वित की जाए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री ने बताया कि जिले के 1528 गांव के लिए 100 नवीन हेण्डपंपो के खनन का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। सदस्यों के द्वारा एक या दो नवीन स्थलो पर हेण्डपंप खनन के प्रस्ताव विधिवत रूप से प्रदाय किए जाते है तो उन स्थलों पर विभागीय लक्ष्य के माध्यम से नवीन हेण्डपंप कराने की प्रक्रिया क्रियान्वित की जाएगी।

जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक की शुरूआत विगत बैठक में लिए गए निर्णयों पर संबंधित विभागो के द्वारा पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया जिसमें जिला शिक्षा केन्द्र, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा ग्रीष्मकाल में पेयजल की व्यवस्था के संचालन, ग्रामीण विकास योजना, आदिम जाति कल्याण विभाग, पिछडा वर्ग अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा जानकारियां प्रस्तुत की गई। बैठक में जिन ऐजेण्डा बिन्दुओं पर चर्चा कर निर्णय लिए गए है उनमें विभिन्न स्थाई समितियों के प्रतिवेदन, प्रतिवेदन पर चर्चा व अनुमोदन, ग्रामीण विकास की योजनाओं की प्रगति मुख्यतः स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, 15वां वित्त जिला स्तर, प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना, मनरेगा योजना, पंचायत भवन से संबंधित जानकारी, गौशाला से संबंधित जानकारी, कार्यालय मप्र ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकारी, जन शिकायत निवारण प्रकोष्ठ की रिपोर्ट पर चर्चा की गई।

खेलते-खेलते छत से गिरा डेढ़ साल का मासूम, मौत

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

बुधवार को तेन्दूखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पिंडरई में सुबह 8 बजे एक डेढ़ साल का मासूम बच्चा खेलते खेलते छत से नीचे जा गिरा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जिस कारण पूरे परिवार में हड़कंप मच गया अपने डेढ़ साल के मासूम बच्चे की मौत पर मां का बुरा हाल हो गया। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार बुधवार की सुबह ग्राम पिंडरई में कुलदीप पिता बृजेश पाल का डेढ़ साल का मासूम सुबह सो कर उठा और खेलते खेलते छत पर आ गया और पता ही नहीं चला कब वह नीचे गिर गया और मौत के गाल में समा गया। जब तक मां उसके पास पहुंची तब तक उसकी मौत हो गई लेकिन परिजन मासूम को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे लेकिन डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया और घटना की सूचना पुलिस को दी गई जहां पुलिस की मौजूदगी में पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

गेहूं उपार्जन की प्रगतिः समर्थन मूल्य पर अब तक 16953 किसानों द्वारा 167579.98 मेट्रिक टन विक्रय किया

सिरोंज। विदिशा रबी विपणन वर्ष 2025-26 अंतर्गत समर्थन मूल्य पर गेंहू विक्रय हेतु जिले में कुल 79808 कृषकों द्वारा पंजीयन कराया गया है। शासन के निर्देशानुसार कृषकों को समर्थन मूल्य 2425 रुपये और बोनस 175 रुपये इस प्रकार कुल 2600 प्रति क्विंटल पर गेंहू उपार्जन का कार्य प्रगति पर है।

जिला आपूर्ति अधिकारी श्री अनिल तंतुवाय ने बताया कि जिले में स्थापित 190 उपार्जन केन्द्रों पर उपज विक्रय हेतु दिनांक 25 अप्रैल 2025 तक 47804 किसानों द्वारा स्लॉट बुक कराये हैं, जिनमें से अब तक 16953 किसानों द्वारा 167579.98 मेट्रिक टन गेंहू का विक्रय किया गया है। जिसमें से 162660.36 मेट्रिक टन गेंहू (97 प्रतिशत) का सुरक्षित भंडारण कर लिया गया है।

उपार्जन केन्द्रों पर गेंहू विक्रय करने वाले कृषकों का भुगतान लगातार त्वरित गति से हो रहा है। अभी तक राशि रूपये 312 करोड़ के ईपीओ प्राप्त हो गये हैं एवं राशि रूपये 170 करोड़ का सफल भुगतान जेआईटी के माध्यम से किसानों को उनके बैंक खातों में किया जा चुका है। किसान भाईयों से अपील की गई है कि स्लॉट बुकिंग के उपरांत ही उपार्जन केन्द्रों पर उपज विक्रय हेतु ले जायें ताकि उनको किसी प्रकार की कोई परेशानी का सामना ना करना पड़े।

बीच सड़क डंपर लगाकर अवैध कारोबार की रेत हो रही खाली

सिरोंज। शाहर में एक तरफ नियमों विरोध नर्म रेत का करोबार हो रहा है दूसरी ओर इसका व्यापार करने वाले और बेचने वालों के हौसले इतने ज्यादा बुलंद हो गए है । इनको शासन-प्रशासन के अधिकारी का कोई डर नहीं है तभी तो अवैध रूप से होने वाले काम को भी दादागिरी कर रहे हैं एकदम पर चालक ने लिंक रोड पर भी सड़क पर बड़े डंपर को लगाकर उसमें से रेत खाली करने का कार्य किया जा रहा था इसके चलते सड़क के दोनों और वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लगी हुई थी डंफर चालक को इसको किसी का कोई डर नहीं था इस तरह की तस्वीर शहर में आए दिन देखने को मिलती हैं।

कोर्ट ने सहकारी समिति मर्यादित के सहायक शाखा प्रबंधक की जमानत याचिका निरस्त कर जेल भेजा

सिरोंज। सहकारी समिति मर्यादित दीपना खेड़ा के सहायक शाखा प्रबंधक को न्यायलय सिरोंज द्वारा थाना दीपनाखेड़ा के अपराध क्रमांक 77/2023 में धारा 420,409 में भेजा जेल,,,, थाना दीपनाखेड़ा से प्राप्त जानकारी अनुसार जिला सहकारी समिति सिरोंज द्वारा यह प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई गयीं के प्राथमिक कृषि साख समिति मर्यादित दीपनाखेड़ा के समिति सहायक प्रबंधक हिम्मत सिंह रघुवंशी निवासी घटवार ने किसानों को खाद एवं यूरिया परमिट कर विक्रय कर दिया परन्तु किसानों द्वारा प्राप्त भुगतान लगभग 40 लाख रूपये किसानों के खाते के माध्यम से जिला सहकारी समिति शाखा सिरोंज में जमा नहीं किया और अनियमितताये कर पैसे अपने पास रख लिये , उक्त अपराध में आरोपी हिम्मत सिंह रघुवंशी ने प्रथम अपर सत्र न्यायलय से अग्रिम जमानत लेने का प्रयास भी किया परन्तु न्यायलय ने उसका आवेदन निरस्त कर उपजेल लटेरी भेज दिया ।

एसपी रोहित काशवानी के निर्देशन में अपराध समीक्षा बैठक संपन्न

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सिरोंज। पुलिस कंट्रोल रूम, विदिशा में दिनांक 08 अप्रैल 2025 को पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी की उपस्थिति में अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले के समस्त एसडीओपी, थाना एवं चौकी प्रभारीगण उपस्थित रहे।

बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में लंबित आपराधिक प्रकरणों की समीक्षा कर उनके त्वरित निराकरण हेतु रणनीति बनाना एवं कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावशाली बनाना था। बैठक में पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराधों पर नियंत्रण, उनके शीघ्र निराकरण तथा आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

निम्नलिखित बिंदुओं पर विशेष रूप से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए गए

1. धारा 173(8) जा.फ़ौ./193(9) BNSS के लंबित प्रकरण - माह मार्च 2025 तक लंबित, नवीन तैयार, निराकृत एवं शेष प्रकरणों की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई।
2. धारा 420 IPC / 318 BNSS के तहत ठगी एवं धोखाधड़ी से संबंधित प्रकरण - ऐसे प्रकरणों की संख्या, विवेचना की प्रगति एवं न्यायालय में प्रस्तुत चालानों की स्थिति की समीक्षा की गई।
3. SC/ST Act के अंतर्गत लंबित प्रकरण - जातीय अत्याचार निवारण कानून के तहत लंबित मामलों पर शीघ्र व न्यायपूर्ण कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।
4. SC/ST Act के अंतर्गत राहत प्रकरण - पीड़ितों को राहत राशि के भुगतान की स्थिति एवं लंबित मामलों के त्वरित निराकरण पर बल दिया गया।

5. जमानत निरस्तीकरण प्रकरणों की समीक्षा - कितने प्रकरण तैयार किए गए, निराकृत हुए एवं शेष हैं, समीक्षा में लंबित प्रकरणों में शीघ्र कार्यवाही हेतु निर्देश दिए गए।
6. वाहनों की जप्ती/रिहाई की स्थिति - जप्तशुदा वाहनों के निराकरण एवं लंबित मामलों की अद्यतन जानकारी प्राप्त कर त्वरित कार्यवाही के निर्देश।
7. निगरानी खोलने/बंद करने संबंधी अभियान की समीक्षा - 15 मार्च से 6 अप्रैल 2025 के मध्य की गई कार्यवाही की समीक्षा की गई।
8. माइक्रो बीट प्रणाली - प्रत्येक माइक्रो बीट प्रभारी को व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर क्षेत्रीय नागरिकों से सतत संवाद एवं सूचना संग्रहण हेतु निर्देशित किया गया।
9. लंबित अपराधों व चालानों का शीघ्र निराकरण - विशेषकर महिला संबंधी अपराध, SC/ST प्रकरण, न्यायालयीन लंबित मामलों को प्राथमिकता देने पर बल।
10. पुलिस रेगुलेशन की समीक्षा - आवश्यक संशोधनों एवं प्रचलित नियमों के अध्ययन पर आधारित सुझावों की जानकारी ली गई।
11. स्मार्ट पुलिसिंग - आधुनिक तकनीक एवं जनसहयोग आधारित पुलिसिंग को बढ़ावा देने हेतु दिशा-निर्देश दिए गए।
12. लघु अधिनियम, जुआ एक्ट, आबकारी एक्ट, आर्म्स एक्ट - इन अधिनियमों के अंतर्गत प्रभावी कार्यवाही हेतु संबंधित थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया।
13. सीएम हेल्पलाइन - प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध, संतोषजनक एवं गुणवत्ता युक्त निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश।
14. स्थाई वारंट तामील - चिन्हित प्रकरणों में शत-प्रतिशत तामील सुनिश्चित करने हेतु विशेष अभियान चलाने पर बल।
15. माननीय उच्च एवं उच्चतम न्यायालयों के लंबित आदेश/वारंट - तामील की प्रगति की समीक्षा एवं शेष प्रकरणों को शीघ्र पूर्ण करने हेतु निर्देश।

प्राकट्य पर्व पर विराट नगरी में जय श्रीराम के नारों की गूंज

शहडोल। श्रीराम नवमीं के अवसर पर जय श्रीराम, जय श्री राम के नारे से नगर गूंज उठा। श्रीराम नवमीं के पावन अवसर पर संभागीय मुख्यालय शहडोल श्रीराम जानकी मंदिर प्रागंण में संस्कृति विभाग द्वारा प्राकट्य पर्व का आयोजन किया गया। प्राकट्य पर्व का शुभारंभ कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर भवानी दास अहिरवार एवं साथी, जबलपुर द्वारा बुन्देली लोकगायन, अमिता खरे एवं साथी, भोपाल द्वारा नृत्यनाटिका राम प्रसंग तथा दीन भवत अखिलेश राजा एवं ग्रुप, जबलपुर द्वारा भक्ति गायन की प्रस्तुतियां दी गई। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष महिला वित्त विकास निगम एवं समाजसेवी अमिता चपरा, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अरविंद शाह, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुद्रिका सिंह, समाजसेवी रवि गुप्ता, सत्यभाभा गुप्ता सहित अन्य अधिकारी समाजसेवी एवं जनमानस उपस्थित थें।

विराट ने आईपीएल के अपने डेब्यू सीजन को लेकर किया खुलासा

कोहली बोले- आईपीएल द्रविड़ और कुंबले जैसे दिग्गजों के साथ खेलना सपने जैसा

मुंबई, एजेंसी

विराट कोहली ने कहा- आईपीएल की वजह से उनका टी-20 गेम निखरा है। कोहली ने आईपीएल के अपने डेब्यू सीजन के बारे में बात करते हुए कहा, जब मैंने पहली बार आईपीएल में खेला, तो मैं पूरी तरह से डरा हुआ था। मैं जहीर खान और युवराज सिंह के अलावा किसी क्रिकेटर से नहीं मिला था। मेरे जैसे न्यू कमर के लिए अनिल कुंबले और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गजों के साथ ड्रेसिंग रूम शेयर करना किसी सपने से कम नहीं था। वर्तमान में विराट कोहली ढ्ढक्कमें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। मौजूदा सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेल रहे हैं। उन्होंने पिछले मुकाबले में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 67 रनों की पारी खेली थी। कोहली ने कहा- डेब्यू मैच में एक्साइटमेंट के साथ दबाव भी था। मुझे पता था कि मेरा खेल अभी उस लेवल का नहीं है। मुझे खुद को साबित करना था। दबाव की वजह से ही मेरा पहला सीजन अच्छा नहीं गया, लेकिन वह अनुभव शानदार था।

शुरुआत में टॉप ऑर्डर में खेलने का मौका नहीं मिला

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ अपने शुरुआती सालों को याद करते हुए कोहली ने कहा, अपने पहले तीन सालों में मुझे टॉप ऑर्डर में बैटिंग करने का ज्यादा मौका नहीं मिला। मुझे आमतौर पर निचले ऑर्डर में भेजा जाता था। इसलिए मैं आईपीएल के अपने डेब्यू सीजन में शुरुआत में कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाया। 2009 का सीजन मेरे लिए थोड़ा बेहतर रहा। उस साल पिचें मेरे खेल के अनुकूल थीं, गेंद बल्ले पर अच्छी तरह से आ रही थी और मैं अपने शॉट्स ज्यादा आजादी से खेल सकता था। यह मेरे करियर का एक दिलचस्प दौर था। 2010 के बाद से मैंने अच्छा परफॉर्म करना शुरू कर दिया और 2011 तक मैं रेगुलर तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने लगा।

आईपीएल के अपने डेब्यू सीजन अलग तरीके की चुनौती

कोहली ने आगे कहा, आईपीएल के अपने डेब्यू सीजन आपको बहुत ही अलग तरीके से चुनौती देता है। यह एक छोटी बाइलैटरल सीरीज की तरह नहीं है, यह कई हफ्ते तक चलता है और पॉइंट्स टेबल में आपकी स्थिति बदलती रहती है। पॉइंट्स टेबल में लगातार बदलते पोजिशन से अलग-अलग तरह का दबाव आता है। जब आप टॉप पर होते हैं, तो उस बढ़त को बनाए रखने का दबाव होता है। अगर आप निचले पायदान पर हैं, तो आपको वापसी करने के लिए अतिरिक्त प्रेरणा की आवश्यकता होती है। यदि आप बीच में कहीं हैं, जहां आपको 5 में से 3 मैच जीतने की जरूरत है, तो एक भी हार अचानक बहुत दबाव डाल सकती है। इस टूर्नामेंट का यही नेचर आपको मानसिक और प्रतिस्पर्धी रूप से आगे बढ़ने में मदद करता है। आईपीएल के अपने डेब्यू सीजन ने मुझे अपने टी-20 गेम को लगातार सुधारने और डेवलप करने के लिए मोटिवेट किया है।

कोहली के नाम सबसे ज्यादा रन

कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उनके नाम 256 मैचों में 8168 रन हैं। वे साल 2008 में लीग की शुरुआत से ही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेल रहे हैं। उनके नाम 8 ढ्ढक्कशतक हैं। इसके अलावा उन्होंने 57 अर्धशतक जड़े हैं।

बड़े टारगेट के सामने बिखरी राजस्थान रॉयल्स

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस से मिले 218 रन के बड़े टारगेट के सामने राजस्थान रॉयल्स बिखर गई। टीम 159 रन ही बना पाई और 58 रन से मैच गंवा दिया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात से साई सुदर्शन ने 82 रन बनाए। राजस्थान से शिमरोन हेटमायर ने 52 और संजू सैमसन ने 41 रन बनाए। महीश तीक्षणा और तुषार देशपांडे को 2-2 विकेट मिले। गुजरात के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने 3 विकेट लिए। साई किशोर और राशिद खान को 2 विकेट मिले। गुजरात के लिए ओपनिंग बैटर साई सुदर्शन ने फिफ्टी लगाई। उन्होंने 53 गेंद पर 82 रन बनाए। उनकी पारी में 8 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। सुदर्शन की पारी से ही टीम ने 200 रन का स्कोर पार किया। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। राहुल तेवतिया- नंबर-6 पर बैटिंग करने उतरे तेवतिया ने महज 12 गेंद पर 24 रन बनाए। उन्होंने 2 चौके और 2 छक्के लगाकर टीम का स्कोर 217 तक पहुंचाया। प्रसिद्ध कृष्णा- मिडिल ओवर्स में बॉलिंग करने आए प्रसिद्ध ने 3 विकेट लिए। उन्होंने संजू सैमसन, शिमरोन हेटमायर और जोफा आर्चर को पवेलियन भेजा। पूरे टूर्नामेंट महंगे साबित हुए राशिद ने राजस्थान के खिलाफ 2 विकेट लिए। उन्होंने ध्रुव जुरेल और शुभम दुबे को पवेलियन भेजा। राजस्थान से शिमरोन हेटमायर ने फिफ्टी लगाई। वे ही टीम से फाइट दिखाते नजर आए। उन्होंने 52 रन बनाए, उनके आउट होते ही टीम रन चेज बुरी तरह बिखर गई। टीम से उनके अलावा संजू सैमसन ही 41 रन बना सके। राजस्थान ने 13वें ओवर में कप्तान संजू सैमसन का विकेट गंवाया। इस वक्त टीम का स्कोर 116/5 हो गया। यहां सैमसन और हेटमायर के बीच 48 रन की पार्टनरशिप टूट गई। सैमसन के आउट होते ही टीम बिखर गई और 43 रन बनाने में आखिरी 5 विकेट भी गंवा दिए।

मेट्रो बाजार

खाने के तेल के दामों में बढ़ोतरी के चलते बढ़ी खाद्य वस्तुओं की कीमतें

मुंबई, एजेंसी

दुनियाभर में खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है. ग्लोबल फूड प्राइसेज में इजाफा देखने को मिला है. ये पहला मौका है जब वैश्विक स्तर पर खाद्य वस्तुओं की कीमतों में उछाल देखा गया है. संयुक्त राष्ट्र की फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइजेशन ने कहा कि अनाजों की कीमतों में कमी के बावजूद खाने के तेल के दामों में उछाल के चलते वैश्विक खाद्य वस्तुओं की कीमतें बढ़ी है. फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइजेशन के फूड प्राइस इंडेक्स पिछले महीने के मुकाबले बढ़कर 1.1 फीसदी पर जा पहुंचा है और मार्च 2024 में ये 118.3 प्वाइंट पर रहा है. खाने के तेल का सब-इंडेक्स पिछले महीने के मुकाबले 8 फीसदी उछाल के साथ एक साल के हाई पर जा पहुंचा है. फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक पाम, सोया, सनफ्लावर और रेपसीड ऑयल के दामों में तेजी देखी जा रही है. पाम उत्पादन करने वाले देशों में सीजन के दौरान आउटपुट में कमी आने के चलते पाम आयल के दामों में उछाल देखा जा रहा है. साथ ही पाम आयल के दक्षिणपूर्व एशियाई देशों में भारी मांग के चलते भी दामों में उछाल देखने को मिल रही है. बायोफ्यूल सेक्टर की ओर भारी मांग के चलते सोया ऑयल की कीमतों में तेजी देखी जा रही है. एफएओ के मुताबिक डेयरी प्राइसेज 2.9 फीसदी बढ़ी है तो मीट प्राइसेज 1.7 फीसदी बढ़ी है. इससे पहले यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद खाद्य वस्तुओं की कीमतें रिकॉर्ड हाई पर जा पहुंचा था. लेकिन उसके बाद कीमतें कम हुई है।

नए सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा देश का विदेशी मुद्रा भंडार

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 2.951 अरब अमेरिकी डॉलर बढ़कर 645.583 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने विदेशी मुद्रा भंडार को लेकर ताजा आंकड़े जारी कर ये जानकारी दी है। इन आंकड़ों के अनुसार भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार छठे सप्ताह शानदार बढ़ोतरी देखने को मिली है। आरबीआई ने बताया है कि खत्म हुए सप्ताह में यह बढ़ोतरी दर्ज की गई है। अब विदेशी मुद्रा भंडार अपने सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। इससे पहले पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा कोष 140 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 642.631 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया था। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दी गई। इससे पहले विदेशी मुद्रा भंडार का सर्वोच्च स्तर 2021 में देखा गया था। उस दौरान विदेशी मुद्रा भंडार 642.453 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया था।

कोलिंस लगातार 12वीं जीत से फाइनल में

टेनिस: महिला एकल के फाइनल में रूसी खिलाड़ी डारिया से होगी भिड़ंत

मैक्सिको सिटी, एजेंसी

मियामी ओपन चैंपियन अमरीका की डेनियल कोलिंस ने लगातार 12वीं जीत दर्ज करते हुए चार्ल्सटन ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। गैरवरीय कोलिंस ने सेमीफाइनल में तीसरी वरीय यूनान की मारिया सकारी को सीधे सेटो में 6-3, 6-3 से हराया। अब कोलिंस का सामना फाइनल में चौथी वरीय रूस की डारिया कसाटकिना से होगी, जिन्होंने टॉप सीड अमरीकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला को हराया।

रूसी खिलाड़ी का पलड़ा भारी: कोलिंस और रूसी खिलाड़ी डारिया के बीच अब तक कुल तीन मुकाबले खेले गए हैं। इसमें से दो मैच डारिया ने जीते हैं। वहीं कोलिंस और डारिया की किसी फाइनल में यह दूसरी भिड़ंत होगी। इससे पहले, कोलिंस ने डारिया को हराकर 2021 में सेन जोंस ओपन जीता था। पिछले महीने मियामी ओपन में अपना पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाली अमेरिकी विश्व नंबर 22 खिलाड़ी रविवार को चौथी वरीयता प्राप्त डारिया कसाटकिना से भिड़ेंगी। यहां आना और संघर्ष करना बहुत मजेदार रहा है। मैं यही

करता हूं। मुझे सिर्फ युद्ध करना पसंद है, 30 वर्षीय कोलिन्स ने 2021 से अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कहा। मैंने आज एक योद्धा की भूमिका निभाई। मारिया का करियर इतना सफल रहा है। हमारे सबसे लगातार खिलाड़ियों में से एक। यह कभी आसान नहीं होता. मुझे इसके लिए काम करना पड़ा. एक और योद्धा है। हमेशा कोई ऐसा व्यक्ति जिसके खिलाफ लड़ने में मुझे मजा आता है। चाहे जीत हो या हार... कोई ऐसा व्यक्ति जिसका मैं बहुत सम्मान करता हूं। पूर्व ऑस्ट्रेलियन ओपन उपविजेता कोलिन्स ने जनवरी में घोषणा की थी कि वह 2024 में खेल छोड़ देंगी और उन्हें एक परिवार शुरू करने की उम्मीद है।

मियामी में अपना पहला मास्टर्स 1000 जीतने के बाद, वह 2021 में सैन जोस में जीत का दावा करने के बाद अपने खाते में दूसरा डब्ल्यूटीए 500 खिताब जोड़ना चाहेंगी। वह निडर है। जब वह अपने खेल को महसूस करती है, तो वह दौरे पर सबसे खतरनाक खिलाड़ियों में से एक है, और वह निश्चित रूप से अभी इसे महसूस करती है। मुझे लगता है कि माहौल बहुत अच्छा होने वाला है क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका में एक अमेरिकी के खिलाफ खेलने से हमेशा कोर्ट पर कुछ अतिरिक्त ऊर्जा आती है। इसलिए मैं वास्तव में इसका इंतजार कर रहा हूं।

जोकोविच सबसे उम्रदराज नंबर वन खिलाड़ी बने

नईदिल्ली, एजेंसी

सर्बिया के नोवाक जोकोविच रविवार को रोजर फेडरर का रेकॉर्ड तोड़ते हुए एटीपी रैंकिंग के इतिहास में नंबर-एक खिलाड़ी के तौर पर काबिज होने वाले सबसे उम्रदराज शख्स बन गए हैं। कुल 24 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले जोकोविच 36 साल 321 दिन के हैं। पुरुष एकल खिलाड़ी के तौर पर उनके नाम पहले से ही सर्वाधिक 419 सप्ताह तक नंबर-वन पर काबिज रहने का रेकॉर्ड है। वहीं, रोजर फेडरर 310 सप्ताह के साथ उनसे काफी पीछे हैं।

एथलेटिको बिलबायो 40 साल बाद बना चैंपियन

सेविला.एजेंसी

एथलेटिको बिलबायो टीम के लिए यादगार बन गई क्योंकि वो 40 साल बाद कोपा डेर रे फुटबॉल कप जीतने में सफल रही। यहां खेले गए फाइनल के दूसरे लेग में एथलेटिको बिलबायो ने मल्लोर्का के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला। फाइनल के पहले लेग में एथलेटिको बिलबायो ने 3-1 से जीत दर्ज की थी। इस तरह उसने कुल 4-2 के स्कोर से मल्लोर्का को हराकर खिताब जीत लिया।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

- 'रेड 2' में वाणी कपूर बनीं अजय देवगन की पत्नी
- कृति सेनन ने बॉलीवुड को लेकर किए चौंकाने वाले खुलासे
- जाह्नवी ने सुनाई मां के मरने से पहले की मुलाकात

इलियाना को रिप्लेस करने पर कहा- कोई जलन नहीं, सिर्फ अपने किरदार पर फोकस किया

'रेड 2' में अजय देवगन एक बार फिर ईमानदार इनकम टैक्स ऑफिसर अमय पटनायक बनकर बड़े परदे पर लौट रहे हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर लॉन्च हुआ और उसी वक्त एक सवाल सबसे ज्यादा चर्चा में आ गया कि अजय की पत्नी के रोल में इस बार इलियाना डिक्रूज क्यों नहीं हैं? और उनकी जगह वाणी कपूर क्यों? इस सवाल का जवाब खुद अजय और वाणी ने ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान दिया। अजय ने कहा, ऐसा आप हॉलीवुड फिल्मों में भी देखते हो। शॉन कॉनरी के बाद भी कई लोग जेम्स बॉन्ड बने हैं। असल में लोग किरदार को फॉलो करते हैं, उसमें नए लोग आते रहते हैं। वहीं वाणी कपूर ने साफ किया कि उनके और इलियाना के बीच किसी तरह की कोई टेंशन नहीं है। वाणी ने कहा, पहले वाली एक्ट्रेस से कोई जलन नहीं है। हमारी ऑफ-स्क्रीन बॉन्डिंग काफी अच्छी है। एक्टर के तौर पर आपको बस अपना किरदार ईमानदारी से निभाना होता है, जैसा डायरेक्टर और राइटर बताते हैं। उन्होंने आगे ये भी जोड़ा कि इस फिल्म में मुझे अपना एक अलग अंदाज दिखाने का मौका मिला। ये एक फ्रेश एक्सपीरियंस रहा। फिल्म की बात करें तो रेड 2 का निर्देशन कर रहे हैं राज कुमार गुप्ता। साल 2018 की हिट फिल्म रेड के बाद ये इसका सीक्वल है। इस बार भी कहानी एक बड़े व्हाइट कॉलर क्राइम पर बेस्ड है, जिसमें ऑफिसर अमय पतनायक की एंट्री होती है। अजय देवगन और सौरभ शुक्ला फिर से अपने पुराने किरदारों में नजर आएंगे। वहीं वाणी कपूर और रितेश देशमुख इस बार नए चेहरों के तौर पर फिल्म से जुड़ रहे हैं।

इंडस्ट्री में एकता नहीं... 'कोई किसी को सपोर्ट नहीं करता'

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन का नाम अब बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार हो चुका है। इस वक्त वे अपने करियर के पीक पर हैं। इन दिनों वे अपनी फिल्म क्रू की सक्सेस को जमकर एंजॉय कर रही हैं। इसके अलावा उनके खाते में और भी कई बड़ी फिल्में हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने बॉलीवुड को लेकर एक चौंका देने वाला खुलासा किया है। कृति ने साल 2014 में आई फिल्म हीरोपंती से अपने करियर की शुरुआत की थी। किसी गॉडफादर के बिना उन्होंने अपने दम में इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। यही वजह है कि बड़े से बड़ा डायरेक्टर उन्हें अपनी फिल्मों में कास्ट कर रहा है। लेकिन हाल ही में कृति को लेकर हैरान कर देने वाले खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि बॉलीवुड में एकता नहीं. एक इंटरव्यू के दौरान कृति सेनन ने कहा कि हमारे इंडस्ट्री के लोगों के बीच एकता नहीं है. मुझे नहीं पता कि फिल्म की सक्सेस पर कितने लोग सच में खुश होते हैं. अगर अभी भी हम सभी एक हो जाए, एक दूसरे को सपोर्ट करें, तो इंडस्ट्री में बहुत सारे बदलाव आ जाएंगे. बॉलीवुड एक अलग लेवल पर चला जाएगा. मैं इस बदलाव की उम्मीद करती हूं और मुझे लगता है ये बदलाव धीरे-धीरे आ रहा है. इंडस्ट्री में मेल एक्टर्स को लेकर भेदभाव पर भी कृति ने अपना बयान दिया है. उन्होंने जूम संग बातचीत पर कहा कि अगर कोई फिल्म फ्लॉप होती है, तो फौरन इसका दोषी फिल्म की हीरोइन को ठहरा दिया जाता है. मैं अब इन चीजों को इतना भाव नहीं देती. जबकि ऐसा बिल्कुल भी नहीं है. फिल्म हिट करवाना किसी एक की जिम्मेदारी नहीं होती है. कृति सेनन की फिल्मों पर नजर डालें तो साल 2024 उनके लिए अभी तक लकी साबित हुआ है. उनकी और शाहिद कपूर की फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया।

श्रीदेवी की मौत ने सभी को सदमे में डाल दिया था

हिंदी सिनेमा की पहली लेडीस्टार श्रीदेवी भले आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन वे चांदनी बनकर हमेशा अपने फैंस के दिनों में जिंदा रहेंगी. उनकी अचानक मौत की खबर ने फैंस को हिला कर रख दिया था. पूरी इंडस्ट्री में सन्नाटा पसर गया था. वहीं उनकी फैमिली सदमे में थी और खासकर एक्ट्रेस की बड़ी बेटी जाह्नवी कपूर. वे बुरी तरह से टूट चुकी थीं. जाह्नवी अपनी मां के बेहद करीब थीं. वहीं जब श्रीदेवी की मौत हुई, तब जाह्नवी अपनी डेब्यू फिल्म धड़क की शूटिंग कर रही थी. जाह्नवी ने बताया था कि मां मेरी फिल्म को लेकर काफी एक्साइडेट थीं.

श्रीदेवी की मौत से पहले जाह्नवी ने मां से कही ये बात

जाह्नवी ने बताया था कि श्रीदेवी की मौत से पहले उनके साथ उनकी आखिरी बात क्या हुई थी. उन्होंने कहा कि 'मुझे दूसरे दिन फिल्म की शूटिंग पर जाना था और मुझे नींद नहीं आ रही थी. मैं मां के कमरे में गई और कहा कि आप मुझ सुला दो. लेकिन वो पैकिंग में बिजी थीं. वे अगले दिन दुबई जाने वाली थीं. जब वो मेरे रूम में आई मैं तब तक मैं आधी नींद में थी. लेकिन उन्होंने फिर भी अपना हाथ मेरे सिर पर रखा और सहलाया.' वहीं एक्ट्रेस की वर्कफ्रंट की बात करें तो इन दिनों वे अपनी आगामी फिल्म 'देवरा' में नजर आने वाली है. इस फिल्म में एक्ट्रेस पहली बार जूनियर एनटीआर के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी. इस फिल्म के जरिए जाह्नवी कपूर अपना साउथ डेब्यू करने वाली हैं. बता दें कि इस फिल्म के दो पार्ट्स आएंगे. पहला पार्ट इसी साल 10 अक्टूबर को रिलीज होगा.

मां के जाने के बाद बन गईं धार्मिक

एक्ट्रेस ने खुद बताया कि उनकी मां के जाने के बाद आस्था की तरफ उनका झुकाव बढ़ गया है. एक इंटरव्यू में जाह्नवी ने कहा था कि मेरी मां बहुत धार्मिक थी और मुझे लगता है उनके जाने के बाद मैं भी बहुत ज्यादा धार्मिक हो चुकी हूं. भक्ति पर विश्वास करने लगी हूं.

इंस्टाग्राम फ्रेंड की मौत से दुखी होकर बीकॉम सेकंड ईयर की छात्रा ने दी जान

साड़ी का फंदा बनाकर झूली निशा, सुसाइड नोट लिखा...मैं जा रही हूं,अब उससे भगवान मिलाएगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गौतम नगर थाना क्षेत्र स्थित रिसालदार कॉलोनी में मंगलवार शाम बीकॉम सेकंड ईयर की छात्रा ने फांसी लगा ली। परिजन फंदे से उतारकर उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। घटनास्थल का निरीक्षण करने पर पुलिस को एक सुसाइड नोट भी मिला है। सुसाइड नोट में उसने लिखा है कि मैं उसके पास जा रही हूं और अब भगवान ही हमें मिलाएगा। दरअसल, छात्रा के इंस्टाग्राम फ्रेंड की कुछ दिनों पूर्व मौत हो गई थी। इसके बाद से ही वह तनाव में रहने लगी थी।

पुलिस के अनुसार निशा कुशवाह पिता स्वर्गीय विजय कुशवाह (18) रिसालदार कॉलोनी, गौतम नगर में रहती थी और गीतांजलि कॉलेज से बीकॉम सेकंड ईयर की पढ़ाई कर रही थी। उसके परिवार में मां के अलावा दो भाई हैं। मां और भाई प्राइवेट नौकरी कर घर का खर्चा चलाते थे।

मंगलवार को मां और दोनों भाई काम पर गए थे। शाम को मां काम से लौटी तो उन्हें निशा नजर नहीं आई। मां ऊपर वाले कमरे में उसे देखने पहुंची तो पता चला कि निशा ने साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली है। मां की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग एकत्रित हो गए और निशा को फंदे से उतारकर हमीदिया अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद निशा को मृत घोषित कर दिया।

परिजन को थी इंस्टाग्राम फ्रेंड युवक की जानकारी

दो भाइयों में इकलौती बहन निशा की मौत के बाद परिजन सदमें है। परिजन ने बताया कि निशा की इंस्टाग्राम पर एक युवक से बातचीत की जानकारी उन्हें थी और उन्होंने कहा भी था कि हम उससे रिश्ता तय करा देंगे, लेकिन गत दिनों युवक की मौत हो गई। इसके बाद से ही निशा तनाव में रहने लगी थी।

85 साल की बुजुर्ग महिला ने फांसी लगाकर दी जान

भोपाल। ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित आचार्य नरेंद्र देव नगर में 85 साल की बुजुर्ग महिला ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पूछताछ में पता चला कि उम्रदराज महिला बीमारी से परेशान थी। साथ ही पैर में संक्रमण हो गया था। इससे उनकी मुशीबतें और भी बढ़ गई थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार रामकली बाई (85) आचार्य नरेंद्रदेव नगर में अपने भतीजे के साथ रहती थीं। उनकी तीन बेटियों की शादी हो चुकी है। मंगलवार सुबह रामकली घर पर अकेली थी, तभी उन्होंने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम कराने के बाद परिजन को सौंप दिया है।

पत्नी के मायके जाने से दुखी होकर युवक ने फांसी लगाई

भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित 50 क्वार्टर झुग्गीबस्ती में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। करीब चार माह से उसकी पत्नी मायके में रुकी हुई है। युवक अक्सर अपने पिता से कहता था कि कैसी जगह शादी करा दी है। पत्नी मायके से आती ही नहीं। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। अनुमान लगाया जा रहा है कि युवक ने पत्नी के मायके जाने से दुखी होकर आत्महत्या की है। पुलिस के मुताबिक पचास क्वार्टर झुग्गीबस्ती निवासी मकेश धनेरिया (35) प्राइवेट काम करता था। वह यहां अपने माता-पिता व पत्नी के साथ रहता था। मुकेश की शराब पीने की लत से परेशान होकर उसकी पत्नी करीब चार माह से मायके में रह रही है। मुकेश ने कई बार उसे बुलाने की कोशिश की लेकिन पत्नी ने आने से इनकार कर दिया। मुकेश अक्सर अपने माता-पिता से कहता था कि तुम लोगों ने कैसी जगह मेरी शादी करा दी। पत्नी मायके से लौट ही नहीं रही। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को माता-पिता मुकेश के मामा के घर अशोका गार्डन गए हुए थे। वह घर में अकेला था। बुधवार सुबह मुकेश का ममेरा भाई उसे काम पर ले जाने के लिए पिपलानी पहुंचा। वहां उसने मुकेश को फांसी के फंदे पर लटका देखा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी।

पार्किंग विवाद में थार सवारों ने किए फायर, 4 गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अयोध्या नगर थाना क्षेत्र स्थित शीतल पैराडाइज अपार्टमेंट में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात थार सवार चार युवकों ने 12 बोर की लाइसेंसी बंदूक से एक के बाद एक तीन फायर कर दिए। हवाई फायरिंग के बाद हंगामा करते हुए आरोपी वहां से भाग निकले। देर रात फायरिंग से दहशत का माहौल बन गया। दरअसल, आरोपी यहां अपार्टमेंट में रहने वाले अपने दोस्त से मिलने आए थे। इस दौरान थार गा?ी कैंपस में मंदिर के सामने ख?ी कर दी। उनका गार्ड से गा?ी पार्क करने को लेकर विवाद हुआ और उन्होंने हंगामा ख?ा कर दिया। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर 12 बोर की लाइसेंसी बंदूक, कारतूस के तीन खाली खोखे समेत थार गा?ी बरामद कर ली है।

पुलिस के अनुसार राजीव नगर निवासी गुरुप्रसाद सचान (65) शीतल पैराडाइज अपार्टमेंट अयोध्या बायपास रोड सिक्योरिटी गार्ड हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि मंगलवार बुधवार रात उनकी ड्यूटी थी। वह मेनगेट पर थे। इस दौरान काले रंग की एक थार अपार्टमेंट के पास टनाटन ढाबे के सामने आकर रुकी। उसमें से तीन-चार युवक उतरे। वे सभी आपस में मस्ती कर रहे थे। उसके बाद सभी युवक थार गा?ी में बैठकर अपार्टमेंट के अंदर आ गए और गा?ी मंदिर के सामने ख?ी कर दी। युवक बाहर आ गए और गा?ी में रखी बंदूक निकालकर शोर मचाने लगे। देखते ही देखते युवकों ने तीन हवाई फायर किए और थार से चले गए। फायरिंग की आवाज और शोर सुनकर अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों की नींद खुल गई और काफी संख्या में लोग बाहर आ गए।

जमींदार का बेटा है आरोपी

गोली चलने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने गार्ड की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर जांच की। पुलिस ने अपार्टमेंट और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और कुछ ही देर में गा?ी और आरोपियों की पहचान कर ली। पुलिस ने उक्त मामले में अनिकेत ठाकुर (24) रिदम पार्क बंगरसिया थाना मिसरोद, राज ठाकुर (24) रिदम पार्क बंगरसिया, अमन दुबे (23) फॉर्च्यून डिवाइन सिटी मिसरोद व सजल रघुवंशी (21) निवासी साकेत नगर, बताए गए हैं। थाना प्रभारी महेश लिल्हारे ने बताया कि आरोपी अनिकेत ठाकुर जमींदार का बेटा है। उसके परिवार की ग्राम मनकापुर थाना भारकच्छ जिला रायसेन में खेती-किसानी है। जब्त की गई 12 बोर की लाइसेंसी बंदूक भी उसी की है और वारदात में इस्तेमाल थार जीप का मालिक भी अनिकेत ही है। उसका ट्रेवल्स का काम भी है। थार समेत कई गा?ियां उसके ट्रैवल्स में चलती हैं।

आयुष की फर्जी वेबसाइट से धोखाधड़ी की, मामला दर्ज

भोपाल। आयुष विभाग की फर्जी वेबसाइट बनाने वाले अज्ञात आरोपी पर एमपी नगर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी द्वारा आयुष विभाग की फर्जी वेबसाइट बनाने के बाद उस पर नौकरी का विज्ञापन डाला गया था। हालांकि इस फर्जी विज्ञापन से किसी के साथ ठगी की शिकायत नहीं मिली है। वेबसाइट ई-औषधी के नाम से बनाई गई है, जो हूबहू असली वेबसाइट की तरह लग रही है। वेबसाइट मार्च महीने में बनी थी। जिस पर कई बेरोजगारों ने आवेदन भी किया था। आयुष विभाग, मध्य प्रदेश हेल्थ कॉपोर्रेशन और पुलिस ने कहा है कि अब तक कोई भी ठगी की शिकायत उनके पास नहीं पहुंची है। मध्यप्रदेश पब्लिक हेल्थ कॉपोर्रेशन के एमडी मयंक अग्रवाल ने बताया है कि ई-औषधी की वेबसाइट का इस्तेमाल उनका विभाग खरीदी के लिए करता है और जब उनके विभाग को ई-औषधी के नाम से फर्जी वेबसाइड का पता चला तो विभाग ने एमपी नगर पुलिस, साइबर सेल में शिकायत की थी। जांच के बाद एमपी नगर पुलिस ने मामले में फर्जी वेबसाइट बनाने को लेकर एफआईआर दर्ज की है। जानकारी के अनुसार आयुष विभाग की फर्जी वेबसाइट बनाने के बाद इसे लोगों तक पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया पर भी वायरल किया गया था। मध्यप्रदेश हेल्थ कॉपोर्रेशन में जब वहां के कर्मचारी सोशल मीडिया पर स्क्रॉल कर रहे थे, तभी उन्होंने आयुष विभाग में ढाई हजार से ज्यादा पदों पर नौकरियों का विज्ञापन देखा। कर्मचारियों ने अधिकारियों से संपर्क किया तो पता चला कि ऐसी कोई भी भर्ती नहीं निकली है।

पुलिसकर्मियों को पीटने वाले 3 आरोपियों को दो-दो साल जेल

भोपाल। न्यायालय के लॉकअप में 9 पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट और गाली गलौच करने वाले तीन आरोपियों ने न्यायालय ने दो-दो साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही आरोपियों पर न्यायालय ने जुर्माना भी लगाया है। मामले में विशेष न्यायाधीश राजर्षि श्रीवास्तव ने फैसला सुनाया है। शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक पुनीत नारायण तिवारी ने पैरवी की है। लोक अभियोजक के अनुसार, भोपाल सेंट्रल जेल से पेशी के लिए अपराधियों को न्यायालय लेकर पहुंचे नेहरू नगर पुलिस लाइन से पुलिस बाल के साथ मारपीट करने के 3 आरोपी शादाब, रवि कुशवाहा और शफीक को न्यायालय ने उक्त सजा सुनाई है। घटना 22 मई 2018 की है। फरियादी रामगोपाल साठे ने एमपी नगर पुलिस थाना पर शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि वो पुलिस लाइन नेहरू नगर में सब इंस्पेक्टर के पद पर पदस्थ हैं। घटना के दिन कुल 81 मुल्जिमों को पेशी के लिए भोपाल जिला न्यायालय पुलिस बल के साथ लाया गया था।

रिटायर्ड ज्वाइंट कमिश्नर से 9 लाख ठगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बागसेवनिया थाने में एक रिटायर्ड जॉइंट कमिश्नर से जमीन बेचने के नाम पर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। रिटायर्ड जॉइंट कमिश्नर एस.एन. सिंह (74) ने 2023 में आरोपी अजीत सिंह से एक जमीन खरीदने का सौदा किया था। इसके एवज में एस.एन. सिंह ने अजीत सिंह को टोकन मनी के रूप में 9 लख रुपए भी दे दिए थे। जिस जमीन का सौदा हुआ था वह जमीन कोलार की थी और एक तीसरे शख्स हेमंत नरवरिया के नाम पर थी अजीत सिंह ने हेमंत नरवरिया से पहले मौखिक तौर पर उस जमीन का सौदा 1 करोड़ 20 लाख में किया और फिर वही जमीन ज्यादा दाम में एस.एन. सिंह को बेचने का सौदा कर लिया। एस.एन. सिंह को लगा की जमीन आरोपी अजीत सिंह की है तो उन्होंने टोकन मनी के रूप में उसे पैसे दे दिए थे लेकिन बाद में उस जमीन पर विवाद हो गया और अजीत सिंह उस तीसरे व्यक्ति हेमंत नरवरिया से जमीन नहीं खरीद पाया।

रिटायर्ड अधिकारी एसएन सिंह से जो पैसे आरोपी अजीत सिंह ने टोकन मनी के रूप में लिए थे वो पैसे उसने हेमंत नरवरिया को दिए थे। जमीन का सौदा नही हुआ तो हेमंत नरवरिया ने आरोपी को 9 लाख वापस कर दिए लेकिन अजीत सिंह ने वो पैसे फरियादी रिटायर्ड अधिकारी एस.एन. सिंह को नहीं दिए। जिसके बाद से ही लगातार फरियादी आरोपी से अपने पैसों की मांग कर रहे थे लेकिन जब कई महीनों तक आरोपी पैसे देने में टालमटोल करता रहा तो फरियादी एसएन सिंह ने बागसेवनिया थाने में मामले की शिकायत की। पुलिस का कहना है कि आरोपी अजीत सिंह पेशे से प्रॉपर्टी डीलर है और इस जमीन के सौदे में वो शुरु में कमाना चाहता था लेकिन बाद में वो फरियादी के पैसे नहीं लौटा रहा था। फिलहाल मामले में एफआईआर दर्ज कार्रवाई की जा रही है।

होमगार्ड पुलिस ग्राउंड से लाइफ गार्ड चोरी

भोपाल। अरेरा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित होमगार्ड पुलिस ग्राउंड से 4 लाइफ गार्ड चोरी होने का मामला सामने आया है। घटना बुधवार सुबह करीब सा? 10 बजे की के आसपास की है। पुलिस ने उक्त मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिय है। एएसआई सचिन बेदरे ने बताया कि होमगार्ड में पदस्थ राहुल केलोरिया ने शिकायत करते हुए बताया कि कोई अज्ञात युवक ग्राउंड में घुसकर वहां से 4 होमगार्ड के 4 लाइफ गार्ड चोरी कर ले गया है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच की। पुलिस ने मुखबिर तंत्र सक्रिय किया। इस दौरान पुलिस को सूचना मिली कि लाइफ गार्ड चुराने वाला तलैया थाना क्षेत्र स्थित काली मंदिर के पास है और जैकेट बेचने की फिराक में है। इसके बाद पुलिस ने संदेही अंकित कुशवाह (19) को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने बताया कि उसने लाइफ गार्ड एक पार्क में छिपा कर रखी है। पुलिस ने आरोपी के बताए ठिकाने से लाइफ गार्ड बरामद कर ली है।

बीस करोड़ के डोनेशन के नाम पर 18 लाख ठगे, 3 जालसाज दबोचे

क्राइम ब्रांच की कार्रवाई, एनजीओ संचालक को लगाया था चूना

भोपाल, दोपहर मेट्रो

क्राइम ब्रांच ने एनजीओ संचालक से 18 लाख रुपए की ठगी करने वाले जीन जालसाजों को गिरफ्तार किया है। जालसाजों ने 20 करो? रुपए का डोनेशन दिलाने के एवज में उनसे 18 लाख रुपए ऐंठ लिए थे। आरोपियों ने पूछताछ में कबूल किया 20 करो? रुपए की ब्लैकमनी को व्हाइट करने के लिए एनजीओ संचालक से सौदा हुआ था। गारंटी के रूप में 18 लाख रुपए एनजीओ संचालक ने उन्हें दिया था। मामले में सरगना समेत 6 आरोपी फरार हैं।

जानकारी के अनुसार गीत मोहिनी, अयोध्या नगर निवासी 46 वर्षीय राकेश सिंह परिहार ग्रन्थ एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष हैं। उनका यह एनजीओ वर्ष 2014 से संचालित है। 13 दिसंबर को एनजीओ के फंडिंग कार्य के लिए उनके सहयोगी अमित शर्मा से आलोक प्रताप सिंह ने संपर्क किया। आलोक ने अलग-अलग कंपनियों से डोनेशन दिलवाने का कहा। 15 दिसंबर को मानसरोवर कांप्लेक्स में उससे मुलाकात हुई। जिमसें अलोक प्रताप सिंह, तरुण कटुके के साथ अन्य साथी शामिल हुए। 13 फरवरी को आलोक प्रताप सिंह, तरुण कटुके, अजय शरद सल्फाले, अविनाश, अश्विनी से मुलाकात करवाई। उन्होंने कंपनी सीएसआर के लिए मीटिंग करवाने के नाम 22 फरवरी को 50 हजार रुपए, 23 फरवरी 2025 को 2 लाख 40 हजार रुपए आनलाइन दिए। इसी प्रकार तरुण कटुके के खाते में 10 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर किए थे। इसके बाद 23 फरवरी देव प्रसादम गोविंदपुरा में आलोक प्रताप सिंह, तरुण कटुके, डां अजय शरद सल्फाले अजय यादव, एवं अन्य साथी बैठक में बताया कि कंपनी स्लाट बुक करने के लिए ट्रेडर्स के खाते में 15 लाख रुपए जमा करने होंगे। उक्त रुपए आपको डिमांड ड्राफ्ट के रूप में मिल जाएंगे। जिसके लिए ट्रेडर्स का अकाउंट वाट्सऐप के जरिए शेयर की गई। मीटिंग का स्थान इंदौर तय किया गया।

एक्सिस बैंक में की मुलाकात

24 फरवरी को एक्सिस बैंक में सभी मिले। आलोक प्रताप सिंह, तरुण कटुके, डा. अजय शरद सल्फाले, अजय यादव, तरुण, दिलीप अन्य साथी की तरफ से अनिल कुमार को मिलवाया गया। जो की ऑल इन वन का डीडी स्लिप रखा हुआ था। जिसे अनिल ने एक्सिस बैंक विजयनगर शाखा के बैंक अधिकारी को दिखाया। जब एनजीओ संचालक ने कंपनी डिटेल पूछी उसने खुद को मारुती सुजुकी इंडिया लिमिटेड से जु?ा बताया। इस पर एनजीओ संचालक ने कहा कि मारुती ब?ा नाम है तो हम आपके खाते में पैसा क्यों डालें तो बताया कि कंपनी कन्फार्मेशन के लिए डीडी बनवाया जाता है। कंपनी की डिटेल लिखित में 15 लाख का डीडी बनने के 1 घंटे बाद ही डिटेल आपसे शेयर की जाएगी। तभी कंपनी आपसे मिलने आएंगी। तब तक आपका व्यक्ति, डीडी और अनिल कुमार के साथ में होटल में रहेगा। शाम को आरोपी आलोक ने मारुती और सुजुकी इंडिया लिमिटेड का बैंक डिटेल शेयर किया। एनजीओ संचालक ने डीडी बनाकर दे दिया। इसके बाद आरोपी खाना खाने के बहाने आरोपी फरार हो गए थे।

इनकी तलाश जारी

राकेश यादव (51) गणराज नगर, बंगाली चौराहा, इंदौर। आरोपी आर्ट गैलरी का संचालन करता है और एनजीओ संचालक से संपर्क कर गिरोह के अन्य सदस्यों से मीटिंग कराई थी। ठगी की रकम में आरोपी ने अपना हिस्सा लिया था। दिलीप सुजाने (29) लुनावत कॉसमोस, इंदौर। प्राईवेट जॉब करता है। गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ एनजीओ से मीटिंग कर डोनेशन का लालच देकर ठगी की थी। आरोपी ने ठगी में अपना कमीशन लिया था। इसी प्रकार अजय यादव, (25) बिकोरी तमचूरु, होशंगाबाद को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है। अन्य सदस्यों ने एनजीओ से मीटिंग कर डोनेशन का लालच देकर ठगी की थी। उक्त प्रकरण में सरगना आलोक प्रताप सिंह, तरुण कटुके, सुजीत सिंह, डॉक्टर अजय शरद सल्फाले, अश्विनी, अनिल कुमार की तलाश है।

मेट्रो एंकर पत्नी को सबक सिखाने के लिए बनाया प्लान, बच्चे दस्तयाब, दोनों गिरफ्तार

पति ने साले के संग किया दो बच्चों का अपहरण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित बाणगंगा से 9 और 11 साल के दो सगे नाबालिग भाइयों के अपहरण का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। अपहरण किसी और ने नहीं, बल्कि पति और उसके साले ने मिलकर किया था। अपहरण का उद्देश्य बेवफा पत्नी को सबक सिखाना था। दरअसल, दो बच्चे होने के बाद भी महिला अपने दोस्त के साथ रह रही थी। उसने पति को छोड़ दिया था।

पुलिस के अनुसार बाणगंगा टीटी नगर निवासी 30 साल की महिला साफ-सफाई का काम करती है। उनके 9 और 11 साल के दो बच्चे हैं। महिला ने शिकायत दर्ज कराई कि 8 अप्रैल को वह काम पर गई थी। काम से लौटी तो घर पर बच्चे नहीं मिले। आसपास रिश्तेदारों के घरों पर तलाश किया, पर बच्चों का पता नहीं चला। इसके बाद थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी पर अपहरण का मामला दर्ज कर जांच की। मामला बच्चों से जु?ा होने के कारण चार अलग-अलग टीम गठित की गईं। साथ ही दस हजार रुपए के इनाम की घोषणा की गई। पुलिस की टीमों ने घर के आसपास, उसकी ओर से आने-जाने वाले रास्तों पर लगे 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए। पूछताछ में पता चला कि बच्चों की मां कुछ दिन पहले ही यहां रहने आई थी। इससे पहले वह सूरज नगर स्थित मायके में रह रही थी। करोंद में रहने वाले किसी पप्पी नामक युवक से उसके संबंध हो गए थे। मायके वालों को आपत्ति होने पर वह वहां से बाणंगगा इलाके में रहने आ गई।

उज्जैन से दूर मिले बच्चे

बच्चों की मां अपने पति प्रहलाद मालवीय से करीब एक साल से अलग रह रही थी। पति उज्जैन में हम्मली करता है। पुलिस ने उसके पति से मोबाइल पर बात की तो उसने बताया कि बच्चे उसके पास नहीं हैं। पत्नी किसी और के साथ रहती हैं। पति ने पत्नी के साथ रहने वाले प्रेमी पर संदेह जाहिर किया। पुलिस ने सभी संदेहियों की सीडीआर निकलवाई। इस बीच पति प्रहलाद की लोकेशन भोपाल में होने की जानकारी मिली। लोकेशन मिलने से यह बात तय हो गई कि प्रहलाद ने झूठ कहा है कि वह भोपाल नहीं गया। संदेह गहराने पर पुलिस ने उज्जैन जाने वाली बस व रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए। इस दौरान भोपाल स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-6 पर दोनों बच्चे दो संदिग्धों के साथ नजर आए। फुटेज में बच्चों की मां ने बताया कि प्रहलाद है और दूसरा उसका भाई सूरज है। पुलिस ने सूरज अहिरवार (22) बंजारा बस्ती सूरज नगर को हिरासत में लिया। पूछताछ में पता चला कि वह प्रहलाद से नहीं मिला है। पुलिस की दूसरी टीम ने उज्जैन से प्रहलाद मालवीय (32) गुंदी कला, तहसील जिला आगर मालवा को भी हिरासत में लिया। प्रहलाद ने भी पुलिस को गुमराह करते हुए बच्चे उसके पास नहीं होने की बात कही। जब पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो प्रहलाद ने स्वीकार लिया कि दोनों बच्चों को वह अपने साथ ले आया था। बच्चों को उसने उज्जैन से करीब 65 किमी दूर रहने वाले रिश्तेदार के घर रखा है। सूचना मिलते ही टीटी नगर पुलिस वहां पहुंची और दोनों नाबालिग भाइयों को सकुशल दस्तयाब कर लिया। आरोपियों ने बताया कि बच्चे की मां को सबक सिखाने ही उन्होंने यह वारदात की थी।

पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

सामग्री प्रबंधन विभाग

(भंडार आपूर्ति हेतु 'ई'-निविदा सूचना, संख्या ईपीएस/66/2025)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, ई-खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते है। कोई भी हस्तलिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए website https://ireps.gov.in" पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

S.No	Tender No.	Short Description	Tendered Qty.
1.	38241754	BOXNHL वैगन के लिए साइड स्टैंचियन चैनल	1361 नग
2.	34243036	पेंट एल्युमिनियम ब्रशिंग, उज्ज्वल परिष्करण	37653 लीटर
3.	30252456	स्टेनलेस स्टील कूड़ेदान	1411 Nos.
4.	80251008	तेल मशीनरी/ सामान्य प्रयोजन मशीनरी तेल	100800 लीटर

50 लाख रुपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए, इच्छुक फर्मों को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है।

उपरोक्त निविदाओं की Due Date क्रम संख्या-1 से 3 की Due Date-01.05.2025, क्रम संख्या-4 की Due Date-05.05.2025 है। कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पमरे/जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022